स्थापना : 2010
4 राज्य । 2 भाषा
इंदौर (मध्यप्रदेश)
www.lokpatirika.com
हमें फॉलो करें :

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक पत्रिका

Hindi Daily

LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

सत्यमेव जयते

संपादक : आवेश मालवीय । वर्ष 1 । अंक : 12 । पेज : 08 । मूल्य : 5 रु.

06 जून 2025 । शुक्रवार

खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें : 9825252125

इंदौर । भोपाल । ग्वालियर । रतलाम । उज्जैन । जबलपुर । शिवपुरी । गुना । धार । मंडला । शाजापुर । अशोकनगर । सीहोर । झाबुआ

आईपीएल 2025 का दुखद अंत: आरसीबी की जीत का जश्न मातम में तब्दील

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेटप्रेमियों के जुटने से विक्ट्री परेड से पहले भगदड़, 11 की मौत, 33 लोग घायल

लाशों का ढेर लगा गई 'विराट खुशी'

सीएम सिद्धारमैया का निर्लज्ज बयान- ऐसी घटनाएं कई जगह हुईं, कुंभ मेले में 50-60 लोग मर गए, मैंने आलोचना नहीं की

जिनके हाथों में आरसीबी के पोस्टर थे, उन्हीं हाथों में फिर किसी अपने की लाश थी

आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम बुधवार को जब बेंगलुरु पहुंची, तो एयरपोर्ट के बाहर हजारों फैंस ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। टीम जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मिलने विधानसभा की ओर निकली, तो सड़क के दोनों ओर खड़े फैंस टीम के लिए तालियां बजा रहे थे और नारे लगा रहे थे, लेकिन यह जश्न उस वक्त मातम में बदल गया जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। जिनके हाथों में आरसीबी के पोस्टर थे, अब उन्हीं हाथों में किसी अपने की लाश थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी थी। स्टेडियम के बाहर निकासी के लिए बनाए गए रास्ते जल्द ही भीड़ से भर गए। कई जगह पुलिस बल कम था, और आयोजकों ने अंतिम क्षणों में गेट खोलने में देरी कर दी, जिससे भगदड़ मच गई।

बेंगलुरु।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न बुधवार को तब मातम में तब्दील हो गया, जब कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेटप्रेमियों के जुटने से वहां अफरातफरी और भगदड़ मच गई। इस हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 33 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब यह भगदड़ मची, उस वक्त स्टेडियम के बाहर करीब एक लाख की भीड़ मौजूद थी। बड़ी संख्या में बेंगलुरु के युवा आईपीएल ट्रॉफी के साथ आ रही आरसीबी टीम की एक झलक पाने के लिए बेताब थे। बड़ी संख्या में युवक विराट कोहली को भी देखना चाहते थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह भी बताया कि स्टेडियम के अंदर जाने वाले गेट पर पास देखकर लोगों को जाने दिया जा रहा था, इसी दौरान वहां धीरे-धीरे काफी भीड़ जमा हो गई और धक्का मुक्की होने लगी। उनके मुताबिक, पहले एक युवती गिरी लेकिन उसे किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं कि इसके बाद वहां भगदड़ और अफरातफरी मच गई। इस घटना पर दुख जताते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि स्टेडियम में 35 हजार लोगों की क्षमता थी, लेकिन 3 लाख से ज्यादा लोग बाहर जमा हो गए। इसके लिए हम तैयार नहीं थे। सिद्धारमैया ने भी पुष्टि की कि घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। सीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की।



नाले के स्लैब पर खड़े थे लोग, टूटा स्लैब

आरसीबी के फैन्स अपनी टीम को चियर करने और विजेता खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान भारी भीड़ एक नाले पर डाले गए अस्थायी स्लैब पर खड़ी हो गई। बताया जा रहा है कि स्लैब लोगों का भार नहीं झेल सका और अचानक टूट गया, जिससे भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टूटते स्लैब के साथ कई लोग नीचे गिर गए और भीड़ में कुचल गए। कार्यक्रम से पहले सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के आरोप लगे हैं।

सीएम सिद्धारमैया बोले- भीड़ ने स्टेडियम का गेट तोड़ा

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षा मुहैया कराना थी। इसके बाद क्रिकेट एसोसिएशन को संभालना चाहिए था। स्टेडियम में एक छोटा गेट था। वहां बहुत सारे लोग जमा थे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया, जिसकी वजह से भगदड़ मची। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से जब पूछा कि क्या राज्य सरकार इस तरह की बड़ी सार्वजनिक घटनाओं के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी, तो उन्होंने सवाल को टालने की बजाय गुस्से में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमने भीड़ का आंकलन किया था, लेकिन इतनी ज्यादा भीड़ की उम्मीद नहीं थी। भगदड़ कोई पहली बार नहीं हुई है। महाकुंभ जैसे आयोजनों में भी ऐसी घटनाएं होती रही हैं। सीएम ने कहा कि ऐसी घटनाएं कई जगह हुईं। कुंभ मेले में 50-60 लोग मर गए. मैंने आलोचना नहीं की।

राजीव शुक्ला का भी निर्लज्ज बयान

भगदड़ पर बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि ऐसा किसी भी राज्य में हो सकता है और इसके लिए सत्ताधारी पार्टी को दोष नहीं देना चाहिए। इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। अगर ऐसा बीजेपी शासित राज्य में होता है तो हमें उन्हें दोष नहीं देना चाहिए। भीड़ बहुत ज्यादा थी, मैंने फ्रैंचाइजी से बात की। उन्होंने भी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी भीड़ आएगी और यह घटना अचानक हुई।

बीजेपी ने कर्नाटक सरकार को ठहराया जिम्मेदार

बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना को लेकर बीजेपी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। कर्नाटक बीजेपी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया- कांग्रेस सरकार की गैर-जिम्मेदारी के कारण मची भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई। कई लोग जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय नहीं। कोई बुनियादी व्यवस्था नहीं। सिर्फ अराजकता। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर हमला बोलते हुए कर्नाटक बीजेपी ने लिखा- जब निर्दोष लोग मर रहे थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार क्रिकेटरों के साथ रील शूट करने और लाइमलाइट बटोरने में व्यस्त थे।

अंदर मन रहा था जश्न बाहर मर रहे थे लोग

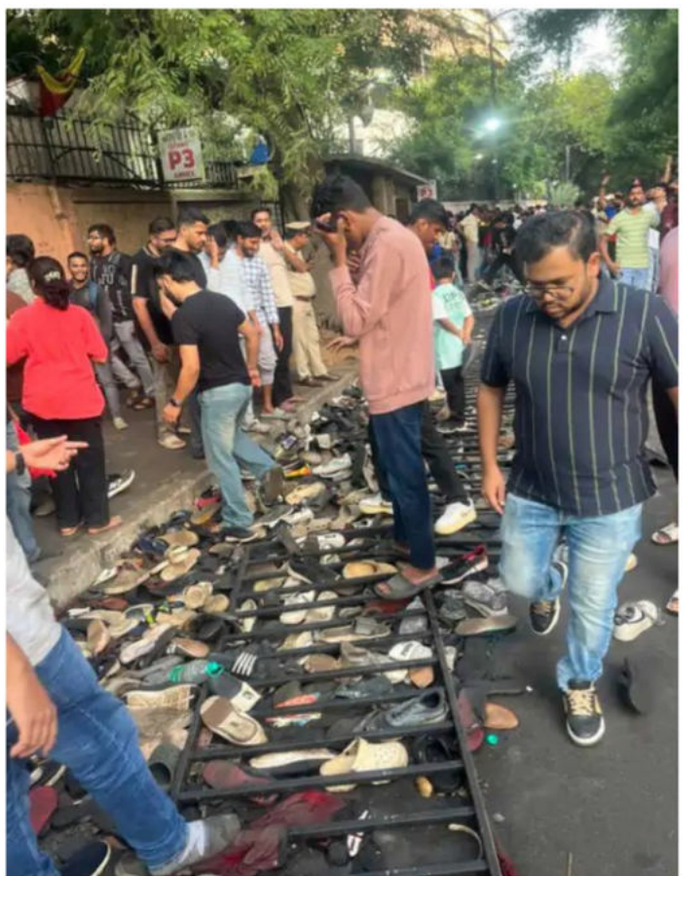
बड़ी बात यह है कि स्टेडियम के अंदर जश्न मनाया जा रहा था और बाहर एक-एक कर लोग दम तोड़ रहे थे। सड़क भारी भीड़ भगदड़ की शिकार हो रही थी, बावजूद इसके सरकारी अमला जरूरी कदम उठाने में नाकाम रहा। हालांकि, पुलिस ने शुरुआती दौर में भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। यह हादसा तब हुआ जब हजारों की भीड़ आरसीबी के 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मनाने के लिए स्टेडियम में जाने के लिए उमड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर और अंदर अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कई लोग कुचले गए और दर्जनों घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पेड़ों, बसों पर चढ़े दिखे लोग

मीडिया और सोशल मीडिया पर जारी फुटेज में कई लोगों को स्टेडियम के बाहर पेड़ों पर चढ़ा हुआ दिखाया गया है। कुछ लोग बसों की छत पर चढ़े दिखे। यानी जिसे जहां मौका लगा, ऊंचे थान पर जा पहुंचा। सभी लोग चैम्पियन टीम की एक झलक देखना चाहते थे। सामने आये वीडियो/तस्वीरों में पुलिस घायलों और बेहोश हुए लोगों को एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाती दिख रही है। इन वीडियो/तस्वीरों में कुछ ऐसे लोग नजर आ रहे हैं जो बेहोशी की हालत में थे और आसपास के लोगों द्वारा उन्हें कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया जा रहा था। पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि एक ही समय पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

बीसीसीआई सेक्रेटरी बोले- कहीं न कहीं चूक हुई

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है और इस तरह की अत्यधिक लोकप्रियता के नकारात्मक पहलू को उजागर करता है। सैकिया ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि फैंस अपने क्रिकेटरों के प्रति भावुक हैं, लेकिन आयोजकों को और अधिक तैयार रहने की आवश्यकता थी। मेरी हार्दिक संवेदनाएं उन लोगों के परिवारों के प्रति हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने इसे चूक बताते हुए कहा कि कहीं न कहीं चूक हुई है। इतने ऐतिहासिक आईपीएल सीजन के बाद घटनाओं का ऐसा निराशाजनक मोड़ देखना निराशाजनक है।







बेंगलुरु पुलिस ने जारी की थी एडवायजरी

बेंगलुरु पुलिस ने एडवायजरी जारी करके कहा था कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में केवल वैध टिकट और पास (प्रवेश पत्र) वाले लोगों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। इसमें कहा गया था कि चूंकि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास सीमित पार्किंग सुविधा उपलब्ध है, इसलिए कार्यक्रम में भाग लेने वालों को सार्वजनिक परिवहन और मेट्रो का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। जनता से सहयोग करने का अनुरोध किया जाता है। बता दें कि कर्नाटक के राज्यपाल थवरचंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इतर कार्यक्रम में मंगलवार को कर्नाटक विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर आरसीबी टीम को सम्मानित किया था। सरकार ने 18 साल का सूखा खत्म कर आईपीएल खिताब जीतने पर टीम को ये सम्मान दिया था।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

हनीमून मनाने शिलांग गए इंदौर के युवक का शव घर पहुंचा, रीजनल पार्क मुक्तिधाम में हुआ अंतिम संस्कार

इंसाफ चाहिए... राजा रघुवंशी की शवयात्रा में गूंजे नारे

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शिलांग के पर्यटन क्षेत्र में इंदौर के राजा रघुवंशी का शव मिलने के बाद उनका शव बुधवार को इंदौर लाया गया। बुधवार शाम राजा रघुवंशी का शव उनके निवास सहकार नगर से अंत्येष्टि स्थल तक ले जाया गया। इस दौरान शवयात्रा में शामिल लोगों ने जोरदार नारे लगाए, जिसमें उन्होंने इंसाफ की मांग की और सीबीआई जांच की गुहार लगाई। राजा का शव गुवाहाटी से फ्लाइट के माध्यम से इंदौर लाया गया था। शव को ताबूत में रखकर उनके घर लाया गया, जहां परिजन उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए भावुक हो गए। परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। कुछ देर बाद राजा रघुवंशी की अंतिम यात्रा निकाली गई, जो रीजनल पार्क मुक्तिधाम में पहुंची। वहीं उनका अंतिम संस्कार किया गया। राजा की हत्या और पत्नी सोनम के लापता होने के बाद उनके परिजनों ने इंदौर स्थित घर पर सीबीआई जांच की मांग को लेकर पोस्टर लगाया है। पोस्टर पर लिखा है, 'राजा की आत्मा करें पुकार, मैं मरा नहीं मुझे मारा गया।' परिजनों का आरोप है कि शिलांग पुलिस ने जांच की गति धीमी रखी। उनका कहना है कि यदि लापता होने के दूसरे दिन ही जांच और पूछताछ तेज होती तो इस हत्या का खुलासा जल्दी हो सकता था। परिजन न्याय की उम्मीद करते हुए सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। शिलांग जाने के 11 वें दिन इंदौर निवासी राजा का शव पुलिस ने बरामद किया है, लेकिन उनकी पत्नी सोमन का पता तेरहवें दिन भी नहीं चला है। दो दिन तक सोनम का पता नहीं चलने के बाद राजा के भाई विपिन मंगलवार को शव लेकर इंदौर के लिए निकले थे। बुधवार को हवाई जहाज से शव इंदौर लाया गया। बता दें कि हनीमून पर मेघालय के शिलांग गए इंदौर के राजा रघुवंशी का शव 11 दिन बाद सोमवार को एक गहरी खाई में मिला था। मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अभी भी लापता है। जिसकी तलाश में एनडीआरएफ भी सर्च ऑपरेशन चला रही है।



राजा के घर पर लगा भावुक पोस्टर

शिलांग में इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की हुई हत्या और उनकी पत्नी सोनम के लापता होने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। पीड़ित परिवार ने इंदौर स्थित अपने निवास पर सीबीआई जांच की मांग करते हुए एक भावुक पोस्टर लगाया है। पोस्टर में लिखा गया है कि राजा की आत्मा करें पुकार, मैं मरा नहीं मुझे मारा गया। परिजनों का आरोप है कि शिलांग पुलिस ने मामले की गंभीरता को समय पर नहीं समझा और शुरूआती जांच में लापरवाही बरती। उनका कहना है कि यदि राजा के लापता होने के अगले ही दिन पुलिस सक्रिय होती और गहन पूछताछ करती, तो इस हत्याकांड का खुलासा जल्द हो सकता था और शायद सोनम का भी कोई सुराग मिल जाता।

पोस्टमार्टम से हुआ हत्या का खुलासा

काफी खोजबीन के बाद जब राजा का शव बरामद किया गया तो कई सवाल खड़े हुए। इनमें ये बात सबके दिमाग में खटकने लगी कि ये हत्या है या आत्महत्या। हालांकि पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया कि राजा रघुवंशी की हत्या पेड़ काटने के हथियार से की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। एसपी विवेक सिम ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। अब जल्द ही इस मामले में खुलासा किया जाएगा।

हत्या के लिए उपयोग में लाया गया था नया हथियार

राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी पुलिस शव मिलने के दो दिन बाद भी नहीं सुलझा पाई है। हत्या में स्थानीय लोग है या बाहरी। इसका भी पता लगाया जा रहा है। अफसरों ने बताया कि राजा की हत्या में जिस धारदार हथियार(नारियल काटने के उपयोग में आने वाला चाकू) का उपयोग किया गया। वह नया है। इससे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या सुनियोजित तरीके से की गई और उसके लिए हथियार खरीदा गया था। हत्या के बाद राजा का शव खाई में फेंका गया है। पुलिस ने शव मिलने वाले स्थान के आसपास खोजबीन की। वहां राजा का मोबाइल भी मिल गया है, लेकिन दो अन्य मोबाइल सोमन के पास थे। वह अब तक नहीं मिले है। राजा का शव 11 दिन बाद सोमवार को मिला था। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम में हत्या की पुष्टि हुई। परिजन शव लेकर इंदौर के लिए रवाना हो गए, वे बुधवार शाम तक को इंदौर पहुंच सकते हैं, लेकिन राजा की पत्नी सोनम का 12 वें दिन भी पता नहीं चला। बुधवार सुबह फिर उसकी तलाश शिलांग पुलिस ने शुरू कर दी है। शिलांग एसपी विवेक सिम ने बताया कि शिलांग में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को लापता हो गए थे। पुलिस ने राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार भी जब्त किया है। हत्या के पीछे कौन है। इसका पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हत्या साजिश के तहत तो नहीं की गई है और किसी बाहरी व्यक्ति का हाथ तो नहीं है।

सोनम का अपहरण किया?

आशंका जताई जा रही है कि स्थानीय लोगों से विवाद के बाद राजा को खाई से नीचे फेंक दिया गया होगा और सोनम को बदमाश अपहरण कर दूसरी जगह ले गए होंगे। पुलिस पार्किंग स्थल के आसपास रहने वाले लोगों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज किया है, लेकिन आरोपी अभी अज्ञात है। पुलिस लूट और तात्कालिक विवाद के बाद हत्या मानकर इस मामले की कड़िया जोड़ने का प्रयास कर रही है।

11 मई को हुई थी शादी, 20 मई को हनीमून पर गए थे

राजा और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 20 मई को हनीमून के लिए रवाना हुए थे। राजा इंदौर में ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते हैं। दंपती इंदौर से बेंगलुरु होते हुए गुवाहाटी पहुंचे, जहां मां कामाख्या के दर्शन करने के बाद 23 मई को मेघालय के शिलांग रवाना हुए। शुरूआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, फिर संपर्क टूट गया। राजा के बड़े भाई सचिन रघुवंशी को पहले लगा कि नेटवर्क का इश्यू होगा, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तो चिंता होने लगी। कई प्रयासों के बाद जब कोई संपर्क नहीं हो सका तो सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन इमरजेंसी फ्लाइट से शिलांग पहुंचे। इसके बाद वे सर्चिंग टीम के साथ जुड़े।

सोनम को तलाश रही टीम को मिली जैकेट

शिलांग के पर्यटन क्षेत्र में इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या कर जहां लाश फेंकी गई। उससे कुछ दूरी पर लाल और काले रंग की जैकेट मिली है। पुलिस इसे सोनम की मान कर चल रही है, लेकिन शिलांग में मौजूद सोनम के भाई ने जैकेट देखकर यह पुष्टि की है कि जैकेट सोनम की नहीं है, हालांकि पुलिस ने जैकेट को जब्त किया है और उसकी फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। हो सकता है कि जैकेट राजा की हत्या करने वाले बदमाशों की हो। फिलहाल सोनम की खोज की जा रही है, लेकिन अधिक कोहरा होने के कारण बुधवार दोपहर को खोज रोक दी गई। यह जैकेट उस स्थान पर मिली है, जहां कुछ देर के लिए किराए पर ली गई स्कूटर रुकी थी। पुलिस अधिकारियों ने जीपीएस ट्रैकर के जरिए पता लगाया है कि किराए पर ली गई स्कूटी एडी व्यू पॉइंट पर रुकी थी। इसके चलते वहां भी सोनम की तलाश की गई। बुधवार दोपहर उस स्थान पर जैकेट खोजी दल को मिली है। इस क्षेत्र में एक झरना भी है। वहां भी ड्रोन की मदद से खोजबीन की गई, जबकि राजा का शव वेइसाडोंग में मिला है।

जैकेट की हो रही जांच

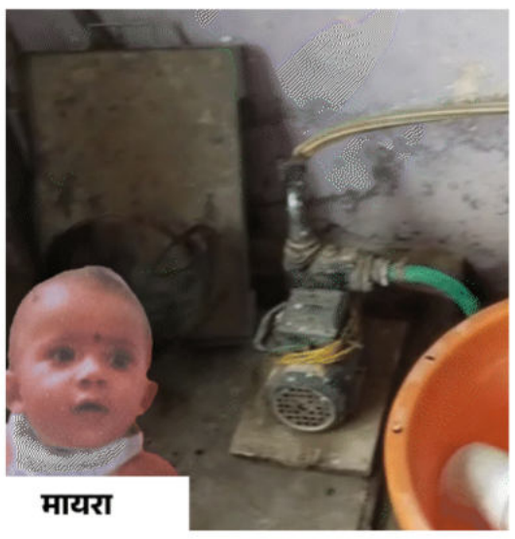
शिलांग एसपी विवेक सिम ने बताया कि शिलांग में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को लापता हो गए थे। पुलिस ने राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार भी जब्त किया है। हत्या के पीछे कौन है। इसका पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हत्या साजिश के तहत तो नहीं की गई है और किसी बाहरी व्यक्ति का हाथ तो नहीं है। जिस जगह पर जैकेट मिला है। उसके आसपास खोज तेज की गई है। फिलहाल परिजन जैकेट के बारे में पुष्टि नहीं कर रहे है, लेकिन इसे हमने सबूत के तौर पर जब्त किया है,क्योकि राजा के शव के पास भी एक सफेद टी शर्ट मिली थी।

आठ माह की बच्ची की संदिग्ध मौत, घर के आंगन में बनी हौज में मिला शव

पुलिस को हत्या की आशंका, मां पर शक

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित प्रजापत नगर में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। आठ माह की बच्ची मायरा का शव घर के आंगन में बनी हौज में मिला। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह मामला महज एक हादसा नहीं, बल्कि संभावित हत्या का प्रतीत हो रहा है। बच्ची की मौत को लेकर परिजनों में शोक का माहौल है और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। थाना प्रभारी सुशील पटेल के अनुसार, पुलिस को सुबह लगभग 10 बजे सूचना मिली कि आठ माह की बच्ची की हौज में डूबने से मौत हो गई है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा गया कि हौज करीब आठ फीट गहरी थी, उसका ढक्कन बंद था और उस पर पानी की मोटर रखी हुई थी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि इतनी छोटी बच्ची हौज में कैसे पहुंची। यही बात इस मौत को संदेहास्पद बनाती है और पुलिस इसे हत्या की दिशा में भी जांच रही है।



मायरा

मां की मानसिक स्थिति पर उठे सवाल

पुलिस ने बच्ची के पिता अविनाश से पूछताछ की, जिन्होंने बताया कि सुबह पेट में दर्द के कारण वे बाथरूम गए थे और उस समय बच्ची अपनी मां वर्षा के पास थी। कुछ देर बाद वर्षा चिल्लाई कि बच्ची नहीं मिल रही है। इसके बाद परिजन और पड़ोसियों ने बच्ची को ढूंढना शुरू किया और करीब आधे घंटे बाद जब आंगन में बनी हौज का ढक्कन हटाया गया, तब मायरा का शव अंदर मिला। पुलिस का संदेह वर्षा पर है, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही है।

घर में केवल दंपति और बच्ची थे मौजूद

बच्ची के पिता अविनाश रेडीमेड कपड़ों का व्यापार करते हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय घर में केवल वे, उनकी पत्नी वर्षा और बच्ची मायरा ही मौजूद थे। बच्ची के दादा-दादी किसी पारिवारिक गमी में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। अविनाश ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति काफी समय से ठीक नहीं है। फिलहाल पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और माता-पिता दोनों से पूछताछ की जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक ने किसान को मारी टक्कर, मौत

इंदौर। इंदौर के पास मिजार्पुर में बुधवार सुबह मवेशियों को देखने निकले एक किसान को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां उसकी मौत हो गई। इधर, बाणगंगा क्षेत्र के सुखलिया गांव की एक फैक्ट्री में काम कर रही 60 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसे जहरीले जानवर ने काट लिया था। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हादसा बुधवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे का है। देपालपुर निवासी विक्रम केवट (50) रोज की तरह सुबह मवेशियों को छोड़ने के बाद कुछ दूरी तक उन्हें देखने निकले थे। इसी दौरान मिजार्पुर के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विक्रम दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार भी हादसे में घायल हुआ और मौके पर ही गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से विक्रम को सुबह करीब 6

कोरोना का नया मरीज मिला अब सात एक्टिव केस

ओमिक्रॉन के दो नए वेरिएंट मिले

इंदौर। इंदौर में कोरोना का एक नया मामला सामने आया है। 62 वर्षीय बुजुर्ग मरीज की अहमदाबाद की ट्रैवल हिस्ट्री पाई गई है। मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ) के अनुसार मरीज को होम आइसोलेशन में रखा गया है और उसकी स्थिति अभी सामान्य है। इसके साथ ही इंदौर में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या 24 हो गई है, जिनमें से सात मरीज बाहर के हैं और वर्तमान में सात एक्टिव केस हैं। मध्यप्रदेश में कोविड-19 के ओमिक्रॉन वेरिएंट की दो नई सब-लाइनिज की पुष्टि हुई है। यह जानकारी पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) में कराई गई जीनोम सीक्वेंसिंग से मिली है। इंदौर के सात कोविड पॉजिटिव मरीजों के होल जीनोम सिक्वेंसिंग (डब्ल्यूजीएस) की रिपोर्ट में दो सब लाइनिज एक्सएफजी और एलएफ.7.9 का पता चला है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर को हाल ही में प्राप्त रिपोर्ट में बताया गया है कि सात सैंपलों में से पांच में एक्सएफजी और दो में एलएफ.7.9 की पहचान हुई है। ये दोनों वेरिएंट ओमिक्रॉन (बीए.2 जैसे) से संबंधित हैं और वर्तमान में सक्रिय हैं।

सभी मरीजों को हल्के लक्षण ट्रैवल हिस्ट्री भी पाई गई



अब तक इंदौर में सामने आए सभी कोरोना संक्रमितों में केवल सामान्य सर्दी और खांसी जैसे हल्के लक्षण पाए गए हैं। इन सभी मरीजों के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भोपाल भेजे गए हैं। मरीजों ने लक्षण दिखने पर प्राइवेट लैब में जांच कराई थी। जांच में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इन संक्रमितों में से कई की ट्रैवल हिस्ट्री गुजरात, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों की मिली है, जिससे संक्रमण के स्रोत की जानकारी भी मिल रही है।

सावधानी जरूरी, घबराने की जरूरत नहीं

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि पुणे से आई रिपोर्ट में बीए.2 ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हुई है, जो कि सामान्य वायरस है और अधिक घातक नहीं है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वीपी पांडे ने भी कहा कि कोविड वेरिएंट हर साल बदल रहे हैं लेकिन वर्तमान वेरिएंट घातक नहीं हैं। अधिकतर मरीज घर पर ही स्वस्थ हो रहे हैं। हालांकि, जिन लोगों को डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हैं, उन्हें विशेष सावधानी बरतने और समय पर इलाज कराने की सलाह दी गई है।

4.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा वार्ड-71 का विकास

इंदौर। विधानसभा-4 के वार्ड-71 का विकास 4.50 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। बुधवार को संजीवनी क्लीनिक, उद्यान, सड़क-पानी की लाइन, ड्रेनेज लाइन, स्टॉर्म वाटर लाइन सहित अन्य कार्यों का महापौर पुष्य मित्र भार्गव और विधायक मालिनी गौड़ ने भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा- जब महापौर बना, तब दो संकल्प मन में थे, गरीब को सस्ती और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा मिले और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इन दोनों दिशा में ठोस काम किए गए हैं। पिछले तीन साल में 65 संजीवनी क्लीनिक स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे वार्ड स्तर पर आमजन को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो रही हैं। साथ ही गरीब परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए 18 नए स्कूल बनकर तैयार हो चुके हैं। महापौर ने बताया कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए नर्मदा जल प्रदाय योजना के चौथे चरण का काम तेजी से चल रहा है, जिससे इंदौर की आने वाली पीढ़ी को शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। यह काम आगामी तीन साल में पूरा हो जाएगा। शहर में 450 करोड़ रुपए की लागत से 23 नई सड़कें बनाई जा रही हैं। 22 छोटे-बड़े ब्रिज का काम भी शुरू हो गया है। अगले दो साल में यह मूर्त रूप ले लेगा। इंदौर को नंबर वन शहर बनाए रखने के लिए निगम द्वारा डिजिटलाइजेशन, सोलर ऊर्जा, जल संरक्षण, सड़क निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक मालिनी गौड़, पार्षद हरप्रीत कौर लूथरा, योगेश गेंदर, पूर्व जनप्रतिनिधि, वार्ड के संगठन पदाधिकारी और बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

बक्षी बाग की 200 साल पुरानी बावड़ी को जिंदा करने का काम शुरू

इंदौर। इंदौर नगर निगम द्वारा जल-गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर के पुराने जल स्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार का काम तेजी से किया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में निगम अब तक 100 से ज्यादा पुरानी बावड़ियों और जल स्रोतों की सफाई और संरक्षण कर चुका है। इसी क्रम में बुधवार को क्षेत्र क्रमांक 3 के वार्ड 58 स्थित बक्षी बाग की लगभग 200 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी को पुनर्जीवित करने का काम शुरू किया गया। यह बावड़ी वर्षों से उपेक्षा की शिकार रही थी और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। अब इसे नए स्वरूप में लाकर क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। इस दौरान महापौर भार्गव ने कहा, यह केवल सफाई का काम नहीं है, बल्कि इंदौर के भूजल संरक्षण की दिशा में एक ठोस पहल है। हमारा उद्देश्य वर्षा जल के संरक्षण और भूगर्भीय जल स्तर में वृद्धि करना है।महापौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा जल भराव वाले स्थलों पर रिचार्ज शाफ्ट लगाने का काम भी किया जा रहा है। इससे बारिश का जल फिल्टर होकर जमीन में समाहित हो सकेगा। इस प्रक्रिया के तहत 200 से अधिक रिचार्ज शाफ्ट बनाए जा रहे हैं। जो न केवल जल संग्रहण, बल्कि भूजल स्तर बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होंगे। महापौर ने जनता से अपील की है कि वे जल संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।
उन्होंने कहा नगर निगम द्वारा घरों की छतों से बारिश का पानी जमीन में समाहित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहरवासी अभियान का हिस्सा बन अपना योगदान अवश्य दें।इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, पार्षद संगीता चौधरी मौजूद थी।

अभिनय अकेले का नहीं, पूरी टीम का खेल है : राम कपूर

इंदौर। कुछ जासूस नियमों का पालन करते हैं, अरमान मिस्त्री उन्हें दोबारा लिखते हैं। 27 जून से जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होने जा रही मिस्त्री अपराध, कॉमेडी और भावना का अनोखा मेल है। यह बहुचर्चित अमेरिकी सीरीज मॉन्क का भारतीय रूपांतरण है, जिसका निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है और जिसे बनिजय एशिया ने यूनिवर्सल इंटरनेशनल स्टूडियोज के सहयोग से प्रोड्यूस किया है।
कहानी के केंद्र में हैं राम कपूर, जो सनकी, जुनूनी और बेहद प्रतिभाशाली जासूस अरमान मिस्त्री की भूमिका में हैं। उनके साथ मोना सिंह, शिखा तल्सानिया और क्षितीश दाते जैसे अनुभवी कलाकार स्क्रीन पर जान डालते हैं।

जब पूरी टीम पर टिकी हो कहानी - ऐसे शो में जहां पूरी कहानी कलाकारों की टीमवर्क पर निर्भर हो, वहां उनका आपसी तालमेल ही शो को खास बनाता है। राम कपूर इस केमिस्ट्री को शो की सबसे बड़ी ताकत बताते हैं।



उनका मानना है कि हर कलाकार का अपनी भूमिका में पूरी तरह फिट होना ही मिस्त्री को जादुई बनाता है। राम कपूर कहते हैं, मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा। शायद प्रेस को भी याद होगा कि मैंने इससे पहले शायद ही कभी ऐसा कहा हो। जब आपकी पूरी मुख्य टीम इतनी मजबूत हो, तो पर्दे पर जादू अपने आप हो जाता है। जैसे बड़े अच्छे लगते हैं में साक्षी और मेरा साथ ही शो की जान था – अगर हम दोनों में से कोई एक नहीं होता, तो शायद वह शो वैसा नहीं बनता। क्योंकि अभिनय अकेले का खेल नहीं, पूरी टीम का प्रयास होता है।
मोना, शिखा, क्षितीश और मैं - हम चारों अपने-अपने किरदारों में इतने परफेक्ट हैं कि जब मैं डबिंग कर रहा था, तो बाकियों की परफॉर्मेंस देखकर खुद हंस रहा था। मुझे लगता है कि हमारे शो की सबसे बड़ी ताकत यही चार मुख्य कलाकार हैं, क्योंकि हर कोई अपने रोल में पूरी तरह फिट है और बेमिसाल लग रहा है।

मिस्त्रीः अपराध, हंसी और दिल के बीच का सफर

मिस्त्री अपनी मजेदार, भावनात्मक और रहस्यमयी कहानी के जरिए दर्शकों को बांधकर रखने के लिए तैयार है। कलाकारों की शानदार केमिस्ट्री इस शो को और खास बना देती है – और एक बार फिर यह साबित करती है कि बढ़िया टेलीविजन हमेशा एक टीम की ताकत से ही बनता है। देखिए मिस्त्री का जबर्दस्त रोमांच, 27 जून से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर – जहां हर सीन को सजाया है परफेक्ट कलाकारों ने। कहानी के केंद्र में हैं राम कपूर, जो सनकी, जुनूनी और बेहद प्रतिभाशाली जासूस अरमान मिस्त्री की भूमिका में हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

मंडलोई लघु उद्योग भारती मालवा प्रांत के सह सचिव नियुक्त



शाजापुर। लघु उद्योग भारती की महत्वपूर्ण बैठक धार में आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय पदाधिकारियों के अलावा मालवा प्रांत के 16 जिलों से उद्यमियों ने भाग लिया। बैठक में अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश प्रभारी ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश तिवारी एवं प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी आदि उपस्थित थे। इस बैठक में विभिन्न सत्रों में संगठन कार्य का विस्तार, महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना, युवा उद्यमियों को संगठन से जोड़ने सहित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। लघु उद्योग भारती के संगठन से जुड़ने से मिलने वाले लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक के अंतिम सत्र में मालवा प्रांत का पुनर्गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा द्वारा की गई, जिसमें शाजापुर के सुभाष मंडलोई को मालवा प्रांत का सह सचिव नियुक्त किया गया। सुभाष मंडलोई पूर्व में लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। उनकी नियुक्ति पर सभी इष्ट-मित्रों ने शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर किशोर प्रजापति, विष्णुजी पाटीदार, मेहुल भवसार, दिनेश पांचाल, महेंद्र पांचाल, मुकेश चंद्रवंशी, जीवनसिंह मेवाड़ा, सचिन जाधव, दिनेश राठौर, अंशुल श्रीमाल, दीपक दांगी, प्रशांत अग्रवाल, रामगोपाल राठौर, आकाश विश्वकर्मा, ऋषि पारीख आदि उपस्थित थे। यह जानकारी लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष किशोर प्रजापति ने दी।

देवास जिले की कार्यशाला 6 जून को सोनकच्छ में आयोजित होगी

देवास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा संकल्प से सिद्धि अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत देवास जिले की कार्यशाला 6 जून को प्रातः 11 बजे पुष्पगिरी, सोनकच्छ में आयोजित की जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने बताया कि यह कार्यशाला ₹विकसित भारत का अमृतकालऱ तथा केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों की उपलब्धियों पर केंद्रित रहेगी। भाजपा का यह विशेष अभियान 9 जून से 21 जून तक जिले भर में चलाया जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की प्रतिबद्धता को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। बैठक के दौरान पर्यावरण, योग दिवस, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, आपातकाल आदि विषयों पर प्रकाश डाला जाएगा। सोनकच्छ में आयोजित इस जिला स्तरीय कार्यशाला में सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यशाला में संकल्प से सिद्धि अभियान के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा जिले में इसे प्रभावशाली ढंग से संचालित करने की रणनीति तय की जाएगी। उक्त जानकारी भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

थाना स्टेशन रोड अंतर्गत ग्राम बड़ोदिया हत्याकांड में 11वां आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। थाना स्टेशन रोड क्षेत्र के ग्राम बड़ोदिया में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने 11वां आरोपी भी गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना शादी के दौरान नाचने को लेकर हुए पुराने विवाद की रंजिश पर आधारित थी। घटना का संक्षिप्त विवरण यह है कि 25 मई 2025 को ग्राम बड़ोदिया में शादी समारोह के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। इस विवाद के दौरान श्यामलाल नामक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इस संबंध में थाना स्टेशन रोड पर अपराध क्रमांक 452/25 धारा 103, 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के छह घंटे के अंदर दस आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, दो आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया के नेतृत्व में थाना स्टेशन रोड की टीम ने फरार आरोपी विकास पिता रामचंद्र भीलवाड़ा (25 वर्ष) निवासी ग्राम बड़ोंदिया को 2 जून 2025 को गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में अब एक आरोपी की गिरफ्तारी बाकी है, जिसकी तलाश जारी है।

4 वाहन जप्त, 28 हजार रुपये शमन शुल्क वसूल

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना द्वारा दिए गए निर्देश के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा शाजापुर, बेरछा, मक्सी क्षेत्र में स्कूली वाहन, बस, मैजिक, ऑटो एवं अन्य वाहनों की सघन चेकिंग की कार्यवाही की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर फाइटर, फर्स्ट एड बॉक्स आदि चेक किए गए। 4 वाहनों को जप्त किया जाकर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया और उनसे 28,000 रुपये शमन शुल्क वसूला गया।

'कुशल संगठनकर्ता थे प्रभात झा, पूरे प्रदेश में मंडल स्तर तक करते थे प्रवास'

सिटी रिपोर्टर

अलीराजपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा ने प्रदेश भर में कार्यकताओं के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे हमेशा कार्यकताओं के बीच रहने वाले नेता थे। प्रदेश के विभिन्न मंडलों में प्रवास कर छोटे से छोटे कार्यकताओं से संवाद स्थापित करने की उनकी कला ने दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में पार्टी को मजबूत किया और स्थायी कार्यकर्ता बनाए। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य किशोर शाह ने जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष मकू परवाल ने कहा कि प्रभात झा ने पूरे देश में अपने समर्पित कार्यों से पार्टी में एक मजबूत पहचान बनाई। वे हमेशा सक्रिय रहे और पूरे प्रदेश में पार्टी कार्यकताओं एवं संगठन के लिए मेहनत करते रहे। उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. प्रभात झा की जयंती पर भाजपा जिला कार्यालय पर नगर मंडल की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।



इस अवसर पर जोबट के पूर्व विधायक माधोसिंह डावर, भाजपा जिला अध्यक्ष मकू परवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य किशोर शाह, पूर्व जिला अध्यक्ष हीरालाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष गिरिराज मोदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष रिंकेश तवर, निलेश जैन, मंडल महामंत्री राजेश गुप्ता, समस्त जन प्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश सोमानी, दशरथ सिंह चंदेल, मंडल के पदाधिकारी, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं अन्य उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया।

ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में वीआईपी दर्शन के नाम पर अव्यवस्थाएं, श्रद्धालु परेशान

ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच व्यवस्थाओं में सुधार की जरूरत

सिटी रिपोर्टर

ओंकारेश्वर। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देख रहा है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं, जबकि छुट्टियों और विशेष अवसरों पर यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। इस बढ़ती भीड़ के बीच प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में सुधार किए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सहज और सुलभ दर्शन की सुविधा मिल रही है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता एवं पुनासा एसडीएम शिवम प्रजापति के निर्देशन में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है। विशेष रूप से वीआईपी पास के नाम पर हो रही अव्यवस्थाओं पर लगाम लगाई गई है। इस सुधार के कारण वर्तमान में श्रद्धालु अपेक्षाकृत आराम से दर्शन कर पा रहे हैं और भीड़ प्रबंधन बेहतर हुआ है। जबकि ओंकारेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है, वहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में अभी भी कई समस्याएं बनी हुई हैं। वहां वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली की शिकायतें लगातार आ रही हैं। श्रद्धालुओं को 300 से 1000 रुपये तक लेकर 10 मिनट में विशेष प्रवेश का प्रलोभन दिया जाता है, जो विवाद का विषय बना हुआ है।



अन्य शिकायतें भी उभरकर आईं

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय पुरातत्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता की आशंका भी जताई गई है। साथ ही जूता-चप्पल स्टैंड के नाम पर अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु दोनों में रोष बढ़ रहा है।

आवश्यकता: पारदर्शिता और समन्वय से बेहतर व्यवस्थाएं

ओंकारेश्वर जैसे पवित्र स्थल की आध्यात्मिक गरिमा बनाए रखने के लिए शासन, प्रशासन और संबंधित विभागों को मिलकर पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। श्रद्धालुओं को सहज, पवित्र और सुरक्षित दर्शन का अनुभव दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि यह धार्मिक केंद्र अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता बनाए रख सके।

श्रद्धालुओं ने जताई नाराजगी

महाराष्ट्र के लक्ष्मीकांत वर्मा ने बताया कि बच्चों सहित दो घंटे लाइन में खड़े रहने के बाद उन्हें 500 रुपये प्रति व्यक्ति देने पर तत्काल दर्शन कराने का ऑफर मिला। अंततः पूरे परिवार को 1000 रुपये देकर दर्शन कराया गया, जिसे देखकर वे हैरान रह गए। वहीं, गुजरात के रमणीक पटेल ने कहा कि ओंकारेश्वर मंदिर में तो दर्शन अच्छे हुए, लेकिन ममलेश्वर मंदिर में वीआईपी कल्चर से निराशा हुई। उन्होंने सामान्य लाइन से ही दर्शन करना बेहतर समझा।

प्रशासन का पक्ष और आगामी कदम

पुनासा एसडीएम शिवम प्रजापति ने बताया कि अवैध वसूली की शिकायतों को संज्ञान में लिया गया है। हालांकि, कार्रवाई के संबंध में उन्होंने कहा कि उचित जांच के बाद ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ममलेश्वर मंदिर की व्यवस्था सुधारना प्रशासन की प्राथमिकता में है।

ट्रस्ट गठन की मांग ने फिर पकड़ा जोर

ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति लंबे समय से ओंकारेश्वर एवं ममलेश्वर मंदिरों के लिए एकीकृत ट्रस्ट गठन की मांग कर रही है। उनका मानना है कि एक समर्पित ट्रस्ट के गठन से व्यवस्थाएं पारदर्शी और श्रद्धालु-केंद्रित हो सकेंगी, जिससे समस्याओं का स्थायी समाधान संभव होगा।

नक्शे में हेरफेर कर जमीन का स्थान बदल दिया



सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के खेड़ा पिन्दोनिया गांव के किसानों ने बुधवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने 1997-98 में हुए बंदोबस्त में बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि तत्कालीन पटवारी और राजस्व विभाग की टीम ने कुछ लोगों से मिलकर नक्शों में फेरबदल किया। इससे कई किसानों की जमीन का स्थान बदल गया। पट्टे की जमीन में भी बंदोबस्त के कारण स्थान परिवर्तन हुआ। गांव में इस कारण रोजाना विवाद की स्थिति बन रही है। जिस जमीन पर वर्षों से किसान काबिज थे, उन्हें अब दूसरे स्थान पर जमीन बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पटेल ने राजस्व विभाग से मिलकर यह हेराफेरी कराई। कुछ लोगों ने शासकीय जमीन को भी अपने नाम करा लिया। इस मामले में शाजापुर एसडीएम मनीषा वस्कले ने कहा कि ग्रामवासियों की शिकायत मिली है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया



सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना ने बुधवार को मलेरिया रथ को ट्रामा सेंटर के सामने से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रथ जिले के विभिन्न गाँवों में जाकर बैनर-पोस्टर एवं माइक द्वारा प्रचार-प्रसार कर लोगों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों से बचाव के विभिन्न तरीकों से अवगत कराएगा। इसके साथ ही फीवर केस के मरीजों की आर.डी. किट से जांच की व्यवस्था की गई है। मलेरिया रथ 04 से 30 जून 2025 तक सम्पूर्ण जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सतत रूप से भ्रमण कर जनजागरूकता फैलाने का कार्य करेगा। इस दौरान कलेक्टर द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ भी किया गया। पोस्टर प्रदर्शनी में जिले को मलेरिया मुक्त करने के संबंध में बैनर, पोस्टर एवं पेम्पलेट्स के माध्यम से जनजागरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय सालविया एवं जिला मलेरिया अधिकारी आरएस जाटव द्वारा जून माह मलेरिया निरोधक माह मनाने के लिए शासन से प्राप्त निदेर्शों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मानसून सत्र प्रारंभ होने से मच्छरों की उत्पत्ति बढ़ती है, मच्छरों के कारण मनुष्यों में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, हाथीपांव जैसी भयंकर बीमारी होने की संभावना बनी रहती है।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर व जिला चिकित्सालय नोडल अधिकारी राजकुमार हलधर, डीपीएम शैलेन्द्र सोनी, सिविल सर्जन डॉ. एमके जोशी, डॉ. बीएस मैना, डॉ. एसडी जायसवाल, डॉ. सचिन नायक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित था।

उत्साह और उल्लास से मनाएं ईद: एसडीएम

शाजापुर। आगामी 7 जून शनिवार को ईद उल अजहा त्योहार के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। थाना कोतवाली परिसर में एसडीएम मनीषा वास्कले की अध्यक्षता में मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक हुई। ईद उल अजहा के उत्सव के संबंध में विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेष रूप से पेयजल आपूर्ति की उपलब्धता, निर्बाध बिजली आपूर्ति और शहर में उचित सफाई व्यवस्था पर विस्तार से विमर्श हुआ। बैठक के दौरान एसडीएम ने संबंधित विभागों को व्यवस्था तथा उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम ने कहा कि ईद उल अजहा का त्योहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है। इसे मिल-जुलकर और शांतिपूर्ण ढंग से पूरे उत्साह व उल्लास के साथ मनाएं।



प्रशासन को समाज का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने सफाई रखने पर जोर देते हुए कहा कि कुबार्नी के अवशेष इधर-उधर न फेंके जाएं और कुबार्नी खुले में न करें। उन्होंने नगर पालिका को कुबार्नी के अवशेषों के निस्तारण ठीक तरीके से करने और सफाई के लिए एक टीम का गठन करने को कहा, जो कस्बे में सफाई का विशेष ध्यान रखे। बैठक में अंजुमन कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी ने सुझाव दिया कि नगर पालिका के कचरा संग्रह वाहन को ईद के तीन दिन अधिक फेरे लगाकर अपशिष्ट एकत्रित करना चाहिए, जिस पर एसडीएम मनीषा वास्कले ने नगर पालिका अधिकारी को कचरा वाहन के फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने कहा कि सभी त्योहार प्रेम और सद्भावना का प्रतीक होते हैं। ईद का त्योहार पूरी शांति के साथ संपन्न हो, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शानुसार समुचित व्यवस्था के साथ पर्याप्त बल तैनात रहेगा। बैठक में तहसीलदार सुनील पाटिल, नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल, इंजीनियर नेहा जोशी, नेता प्रतिपक्ष अजीज मंसूरी, मिर्जा सलीम बेग, हाजी हबीब कुरैशी, बाबू भाई एरिगेशन, मिर्जा सोहराब बेग, सफदर अली, अकरम खान सहित मुस्लिम समाज के वरिष्ठजनों के अलावा प्रशासन, पुलिस, निकाय के साथ अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

बेमौसम बारिश से फिर भिगा शहर, मौसम में घुली ठंडक

लगातार बदल रहे मौसम के मिजाज, आज भी बन रहे आसार

सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर का मौसम लगातार बदल रहा है। बुधवार को भी तेज धूप के बाद दोपहर में तेज बारिश हो गई। मौसम विभाग ने शाम या रात में भी इसी तरह की बारिश की संभावना जताई है। वहीं गुरुवार को भी मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। बुधवार सुबह भी मौसम साफ था और धूप खिली हुई थी। दोपहर बाद मौसम बदला और आसमान पर बादल छा गए। तेज हवाएं चलने से लगा बादल निकल जाएंगे, लेकिन देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई जो गरज-चमक के साथ करीब आधे घंटे तक जारी रही, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। इसके बाद बारिश का दौर तो थम गया, लेकिन हवाएं चलने से मौसम सुहावना हो गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि यह प्री-मानसून की बारिश है जो रुक-रुक कर जारी रहेगी। संभवतः शाम को या देर रात को एक बार फिर ऐसी ही बारिश हो सकती है जिसकी ज्यादा संभावना नहीं है। वहीं गुरुवार को भी बारिश हो सकती है। इसके बाद 10 से प्री-मानसूनी बारिश का दौर शुरू होगा जो कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। उन्होंने बताया कि 20 या 25 जून से मानसून जिले में दस्तक दे सकता है। मौसम के मिजाज दिन में कई बार बदल रहे हैं। कभी तेज धूप खिल रही है तो कभी बारिश हो रही है। बुधवार दोपहर बाद हुई बारिश के बाद कुछ देर तक हवाएं चलती रहीं। हालांकि उमस बनी हुई है जिससे लोगों को परेशानी का सामना जरूर करना पड़ रहा है। मौसम विशेषज्ञ धनोतिया के अनुसार बुधवार को नगर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान करीब 24 डिग्री दर्ज किया गया।



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

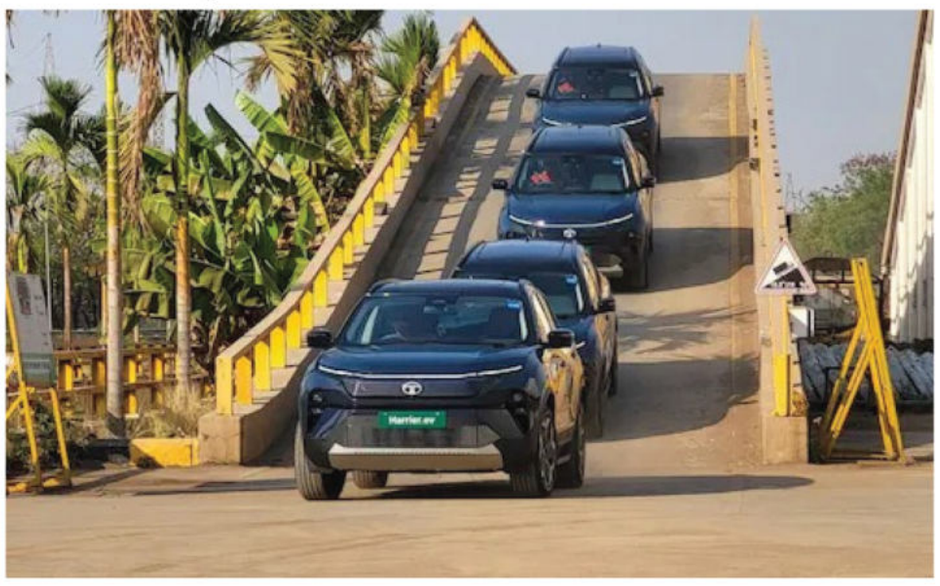
दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा भारत

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के मुहाने पर पहुंच गया है। 4.186 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। यह उपलब्धि मात्र आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों के संघर्ष, परिश्रम और सपनों की तस्वीर है। एक दशक पहले भारत कई आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन आज यह दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर चुका है। गत सप्ताह जारी राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों ने भी अधिकांश अर्थशास्त्रियों को सकारात्मक रूप से चौंकाया है। वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वास्तविक अर्थों में 6.5 फीसदी बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने भी अपने दूसरे अग्रिम अनुमानों में इसके इसी स्तर पर रहने की बात कही थी। दूसरी तिमाही में वृद्धि दर के 6 फीसदी से नीचे रहने के कारण चिंता की स्थिति बनी। बहरहाल, अर्थव्यवस्था वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर स्थिति में आ गई। खासतौर पर अंतिम तिमाही में। चौथी तिमाही के दौरान सकल मूल्यवर्धन 6.8 फीसदी रहा और इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा जैसे क्षेत्रों का योगदान रहा। विनिर्माण क्षेत्र इस तिमाही में भी केवल 4.5 फीसदी की दर से बढ़ा। मांग की बात करें तो पूरे साल के दौरान निजी अंतिम खपत व्यय 7.2 फीसदी बढ़ा जबकि इससे पिछले साल यह 5.6 फीसदी बढ़ी थी। निवेश में केवल 7.1 फीसदी का इजाफा हुआ जबकि इससे पिछली तिमाही में यह 8.8 फीसदी बढ़ा था। वर्ष की शुरूआत धीमी निवेश गतिविधि से हुई लेकिन दूसरी छमाही में इसने गति पकड़ ली। यह सही है कि वृद्धि 6.5 फीसदी रही लेकिन यह भी ध्यान देने लायक है कि यह 2023-24 के 9.2 फीसदी के मुकाबले काफी कम है। इसके अलावा 2021-22 में कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से इस वर्ष विस्तार की गति सबसे धीमी रही। वर्ष के दौरान कई अर्थशास्त्री कह चुके हैं कि महामारी के झटके से उबरने के बाद वृद्धि सामान्य स्तर पर लौट आई है। चालू वर्ष के लिए कृषि क्षेत्र से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। मानसून जल्दी आ गया है और बारिश के सामान्य से बेहतर रहने की उम्मीद है। उच्च कृषि उत्पादन न केवल वृद्धि में सीधा योगदान करेगा बल्कि ग्रामीण आय में भी इजाफा करेगा। इससे मांग को समर्थन मिलेगा। कुल मिलाकर निजी खपत में सुधार के संकेत हैं लेकिन यह देखने की बात होगी कि यह टिकाऊ है या नहीं। चाहे जो भी हो, उच्च कृषि उत्पादन और कम खाद्य मुद्रास्फीति मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी को नीतिगत राहत का अवसर देंगे। विश्लेषकों का अनुमान है कि एमपीसी मौजूदा चक्र में नीतिगत ब्याज दरों में 50 से 100 आधार अंकों की और कटौती करेगी। वास्तविक कमी इस बात पर निर्भर करेगी कि एमपीसी आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति में किस प्रकार के उभार की उम्मीद करती है और संभावित वृद्धि को लेकर क्या अनुमान लगाती है। अगर मुद्रास्फीति के परिणाम लक्ष्य के करीब रहते हैं तो एमपीसी शायद नीतिगत समायोजन के साथ वृद्धि को गति दे। बहरहाल, काफी कुछ इस बात पर भी निर्भर करेगा कि बाहरी माहौल क्या करवट लेता है? अमेरिका और अन्य जगहों पर उच्च बॉन्ड प्रतिफल भी एमपीसी के विकल्पों को प्रभावित कर सकते हैं। वास्तव में बाहरी वित्तीय और आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय अर्थव्यवस्था को कई प्रकार से प्रभावित करेंगी। अमेरिका की एक अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा आपात उपायों का इस्तेमाल करके लगाए गए उच्च शुल्कों पर रोक लगाने का निर्णय दिया है। बहरहाल, एक अन्य अदालत ने उन्हें अस्थायी राहत प्रदान की है। इस बीच ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क दोगुना करने की घोषणा की है। ट्रंप प्रशासन के कदमों से उत्पन्न वैश्विक व्यापार और आर्थिक अनिश्चितता जारी रह सकती है। इस बीच विभिन्न देश अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों पर चर्चा करेंगे। इस बात की संभावना नहीं है कि ट्रंप अपनी टैरिफ योजना को त्यागेंगे। ऐसे में कानूनी जटिलताएं अनिश्चितता में और इजाफा करेंगी। ऐसे हालात में निर्यात और निवेश पर असर हो सकता है। इसका असर वृद्धि पर भी पड़ेगा। गत सप्ताह के आंकड़े यह भी बताते हैं कि सरकार गत वित्त वर्ष के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब रही।

विश्लेषकों का अनुमान है कि एमपीसी मौजूदा चक्र में नीतिगत ब्याज दरों में 50 से 100 आधार अंकों की और कटौती करेगी। वास्तविक कमी इस बात पर निर्भर करेगी कि एमपीसी आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति में किस प्रकार के उभार की उम्मीद करती है और संभावित वृद्धि को लेकर क्या अनुमान लगाती है। अगर मुद्रास्फीति के परिणाम लक्ष्य के करीब रहते हैं तो एमपीसी शायद नीतिगत समायोजन के साथ वृद्धि को गति दे।

बिजली के वाहनों से हरित भारत का संकल्प

विश्व पर्यावरण दिवस हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाता है। भारत में वायु प्रदूषण और धूल की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। दिल्ली, मुंबई, और लखनऊ जैसे शहरों में हवा की गुणवत्ता इतनी खराब हो चुकी है कि साफ आसमान देखना मुश्किल हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने चेतावनी दी है कि भारत के कई शहरी क्षेत्रों में पीएम 2-5 का स्तर 50 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है, जबकि सुरक्षित सीमा 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है।



जयसिंह रावत

डब्लूएचओ के अनुसार, यह स्थिति जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, क्योंकि वायु प्रदूषण और धूल के कारण हर साल लाखों लोग समय से पहले मौत का शिकार हो रहे हैं। वायु प्रदूषण का एक बड़ा हिस्सा धूल है, जो कण पदार्थ (पीएम 10 और पीएम 2-5) के रूप में हवा में फैलती है। ये कण सड़कों पर उड़ने वाली मिट्टी, निर्माण कार्य, और वाहनों की आवाजाही से उत्पन्न होते हैं। इनके कारण श्वसन रोग, अस्थमा, हृदय समस्याएं, और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ रहा है।

हाल ही में, 2024 में द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक शोध ने इस समस्या पर गहरी चिंता जताई है। शोध के अनुसार, भारत में वायु प्रदूषण और धूल के कारण हर साल लगभग 10.67 लाख मौतें होती हैं। पीएम 2-5 जैसे महीन कण फेफड़ों में गहराई तक पहुंचकर सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को बढ़ाते हैं, जिससे फेफड़ों के कैंसर का खतरा 15% तक बढ़ जाता है।

धूल के कणों से आंखों में जलन, एलर्जी, और त्वचा रोगों की शिकायतें भी बढ़ी हैं। शोधकताओं ने सुझाव दिया कि वायु प्रदूषण और धूल को नियंत्रित करने के लिए स्वच्छ परिवहन साधनों को बढ़ावा देना और धूल प्रबंधन के लिए सख्त नीतियां लागू करना जरूरी है। डब्लूएचओ ने भी इस बात पर जोर दिया है कि वायु प्रदूषण को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाना जरूरी है, अन्यथा यह वैश्विक स्वास्थ्य संकट और गहरा सकता है। वायु प्रदूषण का एक हिस्सा होने के बावजूद, धूल को अलग से संबोधित करना जरूरी है, क्योंकि इसके स्रोत और समाधान प्रदूषण के अन्य कारकों से अलग हैं। धूल के मुख्य स्रोतों में निर्माण कार्य, सड़कों पर मिट्टी, और भारी वाहनों की आवाजाही शामिल हैं। इस समस्या से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा।

सबसे पहले, निर्माण स्थलों पर धूल को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव और धूलरोधी स्क्रीन का उपयोग अनिवार्य करना चाहिए। दिल्ली सरकार ने 2023 में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था, जिसमें ड्रोन के जरिए पानी का छिड़काव किया गया। इससे धूल के स्तर में 20% की कमी देखी गई। इस तरह के प्रयासों को देशभर में लागू करने की जरूरत है।

सड़कों की नियमित सफाई भी धूल को कम करने में प्रभावी है। वैक्यूम स्वीपिंग मशीनों का उपयोग करके सड़कों से धूल हटाई जा सकती है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में इस तकनीक से पीएम -10 के स्तर में 30% तक की कमी दर्ज की गई है। भारत में भी इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाने की जरूरत है। तीसरा, हरियाली को बढ़ावा देना एक प्राकृतिक समाधान है। सड़कों के किनारे और खुले स्थानों पर पेड़-पौधे लगाने से धूल के कण हवा में फैलने से पहले अवशोषित हो सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, एक परिपक्व पेड़ प्रतिवर्ष 100 किलोग्राम धूल और प्रदूषक कणों को अवशोषित कर सकता है। इसके अलावा, ट्रैफिक प्रबंधन भी धूल को कम करने में मददगार है। भारी वाहनों को शहर के बाहर डायवर्ट करना, ट्रैफिक जाम को कम करना, और साइकिल लेन को बढ़ावा देना जैसे कदम धूल और प्रदूषण दोनों को नियंत्रित कर सकते हैं।

वायु प्रदूषण के अन्य कारकों, जैसे वाहन उत्सर्जन, को कम करने के लिए भारत सरकार की पीएम ई-ड्राइव पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना अप्रैल 2024 से मार्च 2026 तक चल रही है, और इसके तहत देश भर के शहरों में 14,028 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। इसके लिए 10,900 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। जून 2025 तक, इस योजना के तहत हजारों बसें पहले ही सड़कों पर उतारी जा चुकी हैं, और इनके सकारात्मक प्रभाव दिखने लगे हैं। ये बसें शून्य उत्सर्जन वाली हैं और डीजल बसों की तुलना में कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करती हैं।

एक इलेक्ट्रिक बस प्रतिवर्ष लगभग 50 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम कर सकती है। डीजल बसों से निकलने वाला धुआं, जो धूल के कणों को हवा में और अधिक फैलाता है, इलेक्ट्रिक बसों में पूरी तरह समाप्त हो जाता है। हालांकि ये बसें धूल की समस्या का सीधा समाधान नहीं हैं, लेकिन वायु प्रदूषण को कम करके हवा की गुणवत्ता में सुधार लाती हैं, जो धूल के प्रभाव को कम करने में अप्रत्यक्ष रूप से मदद करता है। इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग से जनस्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। स्वच्छ हवा से श्वसन रोग, अस्थमा, और एलर्जी जैसी समस्याओं में कमी आ रही है। एक अनुमान के अनुसार, यदि भारत के सभी बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसों को पूरी तरह से लागू कर दिया जाए, तो अगले एक दशक में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों में 25% तक की कमी हो सकती है। इसके साथ ही, ये बसें जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करती हैं, जो भारत जैसे देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

हालांकि, धूल और वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केवल पीएम ई-ड्राइव पहल पर्याप्त नहीं है। सरकार, प्रशासन, और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। सरकार को धूल नियंत्रण के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे, जैसे निर्माण स्थलों पर निगरानी बढ़ाना और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाना।

प्रशासन को सड़कों की सफाई और हरियाली बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। वहीं, नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करना, निजी वाहनों का कम प्रयोग करना, और अपने आसपास पेड़-पौधे लगाना जैसे छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण हम सबका साझा दायित्व है। धूल और वायु प्रदूषण से मुक्त भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब हम सब मिलकर इस दिशा में काम करें। पीएम ई-ड्राइव जैसी पहलें हमें सही दिशा दिखा रही हैं, लेकिन हमें धूल जैसी समस्याओं के लिए भी ठोस और तत्काल कदम उठाने होंगे। आइए, इस पर्यावरण दिवस पर हम संकल्प लें कि हम अपने शहरों को स्वच्छ और हरा-भरा बनाएंगे। स्वच्छ हवा और स्वस्थ जीवन हमारा अधिकार है, और इसे हासिल करने के लिए हमें अभी से प्रयास शुरू कर देना चाहिए।

अंचल

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

ढलती उम्र के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए बढ़ रहा बुजुर्गों का हौसला

पेंशनर्स बुजुर्ग पर्यावरण प्रेमियों ने 25 वर्षों में लगा दिए 8000 से ज्यादा पौधे

सारंगपुर। पर्यावरण की रक्षा के लिए बातें तो बहुत होती हैं, मगर वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के लिए कम ही लोग आगे आते हैं। सारंगपुर शहर का पर्यावरण प्रेमी दल सेवानिवृत्त बुजुर्गों का संगठन भी इनमें से एक है। यह बुजुर्ग समाज की नजर में तो रिटायर्ड हैं लेकिन जमीन पर बड़े पैमाने पर पौधे लगाकर हरियाली फैलाने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। पेंशन पाकर जीवन का गुजारा करने वाले यह पर्यावरण प्रेमी अब तक हजारों पौधे लगा चुके हैं।

पर्यावरण दल के जनक विष्णु प्रसाद जोशी हैं। उनके पिता की स्मृति में उन्होंने अपनी बच्ची को लेकर वर्ष 2000 में मुक्तिधाम से पौधारोपण की शुरूआत की थी। इसके बाद पेंशनर नंदकिशोर सोनी के पिता शांत हुए तो दोनों ने मिलकर उनकी स्मृति में पाडल्या रोड पर 50 पौधे लगाए। शिक्षा विभाग से ही पर्यावरण के प्रति रुचि रखने वाले शिवाजीराव शिंदे, रामनारायण टेटवाल इस अभियान में सम्मिलित हुए। वर्ष 2012 में न्याय विभाग के लक्ष्मीनारायण त्रिकार ने भी इस दिशा में कदम रखा। उन्होंने शासकीय अवकाश के दिनों में पर्यावरण प्रेमियों के साथ काम करते-करते अधिक रुचि जागी और 2013 में सेवा निवृत्ति के बाद इस अभियान में पूर्णतः शामिल हो गए। तब से अब तक यह पर्यावरण प्रेमी लगातार पौधारोपण करते आ रहे हैं। इनके दल में कोई रिटायर्ड सरकारी अधिकारी है, तो कोई रिटायर्ड कर्मचारी या रिटायर्ड शिक्षक। अभी तक लगभग 8000 पौधे लगा चुके हैं। पर्यावरण प्रेमी दल में अब विष्णु प्रसाद जोशी, नंदकिशोर सोनी, लक्ष्मीनारायण त्रिकार, जय हिंद प्रकाश दुबे, प्रेम नारायण पुष्पद, राजेंद्र सिंह राणा (आबकारी विभाग), शिव सिंह चौहान, कैलाश चंद्र राठौर, वल्लभ सोनी, रमेश चंद्र महेश्वरी, रमेश चंद गुजरिया, अशोक चौहान, शिवनारायण मालवीय जुड़ चुके हैं। इस प्रकार वर्तमान में पर्यावरण प्रेमी दल में 15 सदस्य हैं। एनके सोनी ने बताया कि हमारी एक नंदनवन वाटिका भी है जिसमें प्रतिवर्ष ढाई हजार पौधे रोपण के लिए तैयार किए जाते हैं और उन्हें विभिन्न संस्थाओं को निशुल्क प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में लगभग 100 पौधे विभिन्न संस्थाओं को दिए गए हैं। पौधों पर सुरक्षा गार्ड लगाए जाते हैं, बांस के सहारे लगाए जाते हैं। हम फलदार पौधे कम और छायादार पौधे अधिक लगाते हैं।



25 वर्षों से जारी है पर्यावरण की सेवा

वरिष्ठ पर्यावरण प्रेमी एलएन त्रिकार ने बताया कि हमारा यह दल पिछले 25 वर्षों से वीरान जमीन पर सैकड़ों पौधारोपण कर रहा है। वह धरती के उस हिस्से को हरा-भरा कर देता है जिसे लोग बंजर समझकर कूड़ाघर में बदल देते हैं। सेवानिवृत्त बुजुर्ग नगर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए संकल्पित होकर ठंड, गर्मी और बारिश की परवाह किए बिना प्रतिदिन पौधों की देखरेख कर रहे हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

ये बोले पर्यावरण प्रेमी

- प्रकृति ईश्वर रूप है। प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति की सेवा ईश्वर की पूजा के समान है। मैं जोशी जी के संपर्क में था और पर्यावरण पर चर्चा होती रहती थी। लगा कि इससे बढ़कर कोई कार्य नहीं। **- एलएन त्रिकार**

पर्यावरण के लिए कार्य करना मेरी प्रसन्नता और स्वस्थता का कारण है। मैं आनंदित हूं। जब मेरे छोटे भाई का सड़क दुर्घटना में निधन हुआ और कुछ समय बाद पिता का देहांत हुआ, तो मानसिक रूप से आहत होकर उनकी स्मृति में पौधे लगाए और इस सेवा कार्य से जुड़ गया। **-एनके सोनी**

- हमारे पर्यावरण प्रेमी दल ने छायादार और फलदार पौधे शहर के देवालयों, कॉलोनियों, पाडल्या रोड, ड्रीम होम सिटी मॉर्निंग वॉक जोन, कॉलोनी रोड, रेलवे स्टेशन, एबी रोड, तारागंज जोड़ एवं स्कूल सहित कई स्थानों पर लगाए हैं। ये पौधे अब वृक्ष बन चुके हैं। **- रामनारायण टेटवाल**

-मैंने इस कार्य की शुरूआत मुक्तिधाम परिसर में पौधारोपण से की थी। कारवां जुड़ता गया। नगर के विभिन्न स्थानों सहित 7 किलोमीटर तक पौधारोपण किया गया, जिनमें सैकड़ों पेड़ बन चुके हैं। हम जो पौधे लगाते हैं, उनकी सेवा वृक्ष बनने तक करते हैं। इससे हमें प्रसन्नता मिलती है। **- विष्णु प्रसाद जोशी**

भाजपा नेता ताप्ती मिल को पुनः प्रारंभ कराने का प्रयास करें, 'नोटंकी' नहीं चलेगी: रघुवंशी

बुरहानपुर। ताप्ती मिल के बंद हुए करीब 7 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक सैकड़ों मजदूरों की दुर्दशा पर किसी भी जनप्रतिनिधि ने गंभीरता नहीं दिखाई। इस मुद्दे को लेकर इंटक संरक्षक अजयसिंह रघुवंशी ने विधायक और सांसद के हालिया दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'नोटंकी' करार दिया। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में भाजपा नेताओं के मन में मजदूरों के लिए कुछ करने की भावना होती, तो वे सीधे मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से मिल चालू कराने की घोषणा करवाते। लेकिन अब जब चुनाव का समय नजदीक है, तो ये नेता मिल पहुंचकर दिखावटी हमदर्दी जता रहे हैं। इससे लालबाग क्षेत्र के नागरिकों को भ्रम और असहजता हुई है।

श्री रघुवंशी ने आरोप लगाया कि विगत वर्षों में न तो मजदूरों की समस्याओं को लेकर कोई ठोस प्रयास किया गया, न ही आधे वेतन पर काम करने वाले श्रमिकों को न्याय मिला। कई महीनों से उन्हें वेतन नहीं मिला है, फिर भी वे आज भी मिल की देखभाल में लगे हुए हैं। सवाल यह उठता है कि अब अचानक मजदूरों के प्रति इतना प्रेम कहां से आ गया?

उन्होंने कहा कि यहां से लेकर दिल्ली तक भाजपा की सरकार है, यदि सांसद और विधायक चाहें तो तत्काल उच्चस्तर पर प्रयास करके मिल को पुनर्जीवित करा सकते हैं। मगर दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये नेता मजदूरों के संघर्ष का इस्तेमाल केवल राजनीतिक हित के लिए कर रहे हैं। इंटक अध्यक्ष रफीक गुल मोहम्मद ने भी भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से बंद पड़ी मिल में मशीनों पर जंग लग गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव द्वारा लाए गए 100 करोड़ के पैकेज से जो मशीनें मंगाई गई थीं, वे भाजपा शासन में बेकार पड़ी रहीं। अब जब चुनाव समीप हैं, तो मजदूरों की मदद का बहाना बनाकर राजनीतिक रोटियां सेकने का प्रयास हो रहा है। नेताओं से अपील की गई कि राजनीतिक नाटक बंद कर, मजदूरों की आजीविका बचाने के लिए ठोस और त्वरित प्रयास करें, ताकि बुरहानपुर की यह ऐतिहासिक मिल फिर से उत्पादन प्रारंभ कर सके और सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी बहाल हो सके।



गोगावां में बकरी ईद पर बुलाई गई शांति समिति की बैठक बनकर रह गई 'इंतजार सभा'

गोगावां। बकरी ईद को लेकर बुधवार को स्थानीय प्रशासन द्वारा बुलाई गई शांति समिति की बैठक प्रशासनिक लापरवाही और अव्यवस्था का प्रतीक बनकर रह गई। निर्धारित समय पर बैठक का आयोजन तो किया गया, लेकिन अधिकारी घंटों देरी से पहुंचे, जिससे समिति के सदस्यों, खासकर व्यापारियों और समाजसेवियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। बैठक की शुरूआत से करीब एक घंटे तक कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं था। थाना प्रभारी पहले पहुंचे, जो किसी मीटिंग के चलते जिला मुख्यालय में थे। इसके बाद तहसीलदार पहुंचे, जिन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर किसी कार्यवाही में देर हो गई थी। सबसे आखिर में, जब बैठक लगभग समाप्त होने को थी, तब एसडीएम महोदय पधारे। अधिकारियों की इस ढिलाई और देरी ने समिति सदस्यों की नाराजगी को बढ़ा दिया। बैठक में एक और बड़ी कमी यह देखी गई कि बिजली विभाग, पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग जैसे प्रमुख विभागों के अधिकारी बैठक में उपस्थित ही नहीं थे।



लोक पत्रिका
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

आज दान का विशेष महत्व

गंगा के धरती पर अवतरण को सम्मान देने का अवसर है दिव्य गंगा दशहरा

गंगा को केवल पूजें ही नहीं बल्कि संरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएं

भारतीय संस्कृति और परंपराएं प्रकृति से अत्यंत गहराई से जुड़ी हुई हैं। नदियों को माता का दर्जा दिया गया है और उनके उत्सव, उपासना, स्नान और पूजन का आयोजन सदियों से होता आया है। ऐसी ही एक पावन नदी है – मां गंगा, जो भारतवर्ष की आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान है। गंगा का पृथ्वी पर अवतरण एक दिव्य घटना मानी जाती है, जिसे गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को आता है और श्रद्धा, तप, भक्ति और आस्था का प्रतीक होता है।

शुभ मुहूर्त किस समय रहेगा ?

इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 जून की रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू हो रही है। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 5 जून, गुरुवार को गंगा दशहरा मनाई जाएगी। गंगा दशहरा पर सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर सिद्धि योग रहेगा। इसके साथ ही इस दिन रवि योग और हस्त नक्षत्र रहेगा और दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर तैतिल करण रहेगा। गर करण योग दोपहर 2 बजकर 15 मिनट तक रहने वाला है।

पौराणिक कथा क्या है ?

गंगा दशहरा की उत्पत्ति एक प्रेरक और रोचक पौराणिक कथा से जुड़ी है। राजा सगर के 60,000 पुत्रों की राख को मोक्ष दिलाने के लिए उनके वंशज राजा भगीरथ ने घोर तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर भगवान ब्रह्मा ने गंगा को धरती पर भेजने की अनुमति दी, परंतु गंगा के वेग को संभालना संभव नहीं था। तब भगीरथ ने भगवान शिव की तपस्या की और उन्होंने गंगा को अपनी जटाओं में समेट कर धीरे-धीरे पृथ्वी पर छोड़ा। गंगा का यह अवतरण धरती को पवित्र करने और मानवता के कल्याण हेतु हुआ था। यह दिव्य घटना ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को घटी, जिसे ही गंगा दशहरा कहा जाता है। 'दशहरा' शब्द का अर्थ होता है – दस पापों का नाश। अतः इस दिन गंगा में स्नान करने से दस प्रकार के पापों का हरण होता है।

दस पाप कौन कौन से हैं ?

1. मन से किया गया पाप
2. वाणी से किया गया पाप
3. शरीर से किया गया पाप
4. जान-बूझकर किया गया पाप
5. अनजाने में हुआ पाप
6. इस जन्म में किया गया पाप
7. पूर्व जन्म का पाप
8. दैनिक जीवन में हुए पाप
9. दूसरों को दुख देने वाले पाप
10. धर्म का अपमान करने वाले पाप



धार्मिक नजरिया क्या है ?

गंगा दशहरा न केवल गंगा नदी से जुड़ा हुआ पर्व है, बल्कि यह समस्त जीवन मूल्यों की पुनः स्थापना का उत्सव भी है। गंगा को हिन्दू धर्म में त्रिदेवों का स्वरूप माना गया है – ब्रह्मा जी ने उन्हें उत्पन्न किया, शिव जी ने उन्हें जटाओं में स्थान दिया और विष्णु जी ने उनके अवतरण की योजना बनाई। गंगा को माँ कहा जाता है क्योंकि वह अपने भक्तों के समस्त पाप धोकर उन्हें मोक्ष प्रदान करती हैं।

कैसे करें मानसिक स्नान ?

आपको ब्रह्म मुहूर्त में उठना है। अपने नहाने के जल में गंगाजल मिलाना हैं। सबसे पहले भगवान सूर्य देव को आचमन करें। मन में यह विचार करें की हम गंगा के घाट पर ही स्नान कर रहे हैं। उसके बाद आप गंगा जी से वहां ना आप आने के लिए क्षमा मांगे। इसके बाद साफ कपड़े पहन कर पूजा पाठ करें, दान पुण्य करें, किसी जरूरतमंद की मदद करें, और सूर्य भगवान को जल अर्पित करें।

गंगा दशहरा पर क्या करें ?

यह पर्व विशेष रूप से स्नान के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा जल में स्नान करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन जलपात्र, पंखा, वस्त्र, अन्न, घी, गुड़, चीनी, चावल और धन का दान करना शुभ माना जाता है। घर पर गंगा जल रखकर उसका पूजन करें। उसे मस्तक पर छिड़कें और घर में शुद्ध वातावरण बनाएं। गंगा दशहरा के दिन 'गंगा लहरी', 'गंगा स्तोत्र', और गायत्री मंत्र का जप विशेष फलदायक होता है। भक्तजन इस दिन गंगा महिमा से जुड़े भजन गाते हैं और सामूहिक कीर्तन करते हैं।

वो जगह जहां गंगा दशहरा मनता है

1. हरिद्वार (उत्तराखंड): हरिद्वार गंगा दशहरा का प्रमुख केन्द्र है। यहां के हर की पौड़ी घाट पर लाखों श्रद्धालु एकत्र होकर पवित्र गंगा में स्नान करते हैं, दीपदान करते हैं और आरती में भाग लेते हैं।

2. वाराणसी (उत्तर प्रदेश): गंगा की नगरी वाराणसी में यह पर्व अत्यंत श्रद्धा से मनाया जाता है। घाटों पर भव्य गंगा आरती, स्नान, धार्मिक अनुष्ठान और हवन का आयोजन होता है।

3. गंगोत्री धाम: यहां मां गंगा का उद्गम स्थल है। गंगा दशहरा के दिन गंगोत्री में विशेष पूजन और वैदिक अनुष्ठान होते हैं। इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है।

4. प्रयागराज (इलाहाबाद) : जहां गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इस दिन संगम में स्नान करने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा का महत्व क्या है ?

गंगा दशहरा का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसी दिन मां गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इस दिन को हिन्दू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान, दान, जप और तप करने से व्यक्ति को दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा का पर्व धार्मिक के साथ-साथ आध्यात्मिक और सामाजिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गंगा दशहरा पर क्या दान करें ?

गंगा दशहरे के पर्व पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को दान करने का विशेष महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि गंगा दशहरा पर दान की जाने वाली वस्तुओं की संख्या 10 होनी चाहिए। इस दिन आप 10 फल, 10 पंखे, 10 सुराही, 10 छाते या फिर 10 हिस्से अन्न का दान कर सकते हैं।

गंगा का सांस्कृतिक महत्व क्या?

गंगा न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उत्तर भारत की जीवनरेखा भी है। यह लगभग 2,525 किलोमीटर लंबी नदी भारत की सबसे लंबी नदी है और करोड़ों लोगों के जीवन, कृषि, व्यापार और संस्कार से जुड़ी है। गंगा तट पर बसे कई नगरों – ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयागराज, वाराणसी, काशी, भागलपुर, पटना आदि – की संस्कृति गंगा से प्रेरित और पोषित होती रही है। गंगा न केवल जल प्रदान करती है, बल्कि उसकी लहरों में संस्कार, सभ्यता और श्रद्धा की धारा भी बहती है।

सामाजिक पक्ष क्या है ?

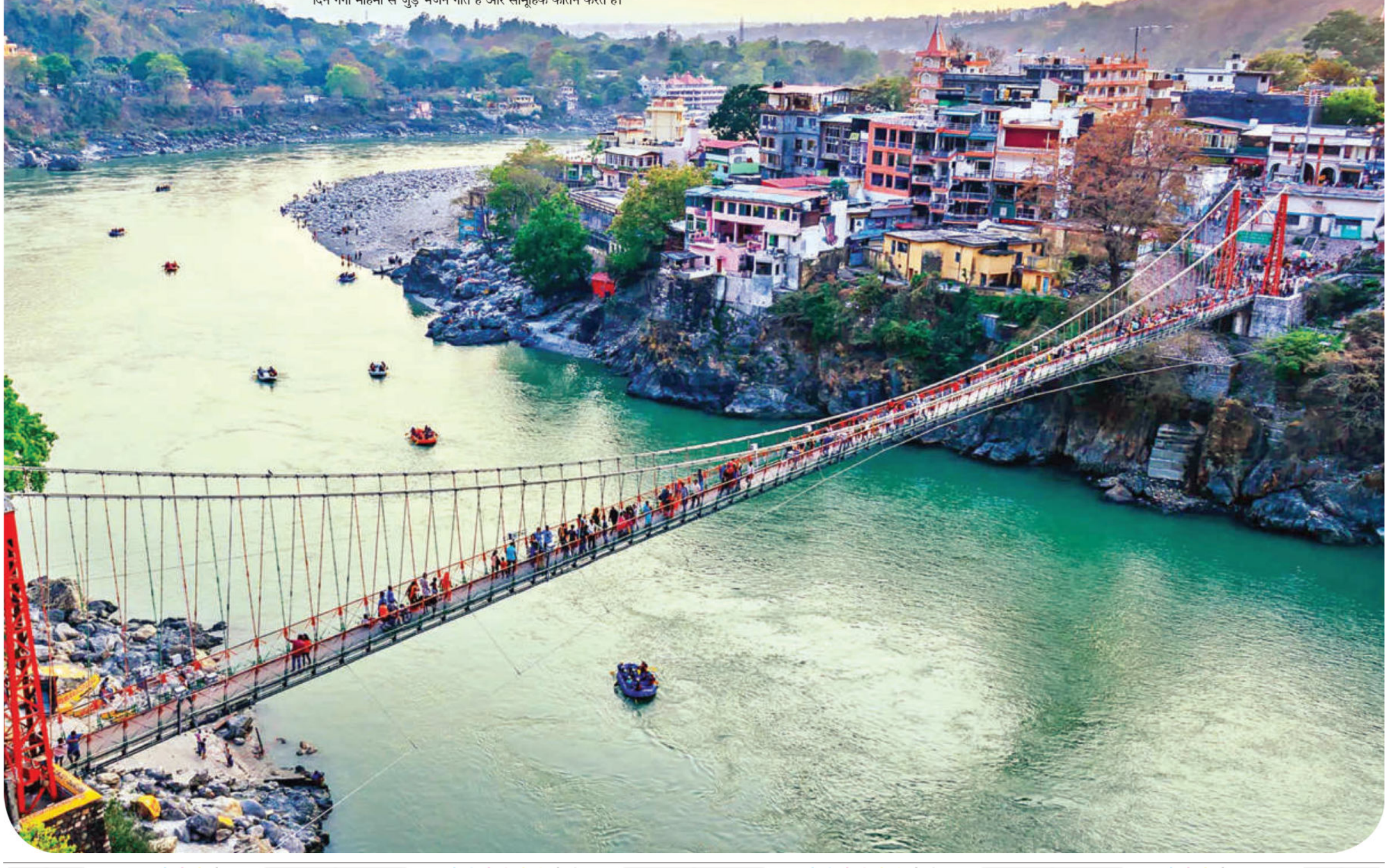
यह पर्व समाज में स्वच्छता, एकता, सहयोग और पुण्य भावना का प्रचार करता है। गंगा तटों पर सामूहिक पूजा, स्वच्छता अभियान, सार्वजनिक भंडारे, संगीत-कीर्तन, कथा और प्रवचनों का आयोजन होता है। इससे सामाजिक समरसता का विकास होता है।

भारतीय कला-संस्कृति में स्थान

गंगा भारतीय साहित्य, कला, संगीत, चित्रकला और मंदिर स्थापत्य में एक प्रमुख विषय रही है। संस्कृत काव्य, भक्तिकालीन कवियों के पद, मंदिरों की मूर्तियों, संगीत रचनाओं और चित्रकृतियों में गंगा का पावित्र उकेरा गया है।
कालिदास, तुलसीदास, सूरदास, कबीर, गुरु नानक – सभी संतों और कवियों ने गंगा की महिमा का वर्णन किया है।

गंगा प्रदूषण पर एक नजर

आज गंगा के अस्तित्व को सबसे बड़ा खतरा प्रदूषण से है। धार्मिक कृत्य, औद्योगिक कचरा, शहरी गंदगी, प्लास्टिक और शवों की अवैज्ञानिक व्यवस्था के कारण गंगा का जल विषैला होता जा रहा है। यह एक चिंता का विषय है। गंगा दशहरा के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम गंगा को केवल पूजा की वस्तु न समझें, बल्कि उसके संरक्षण के लिए जिम्मेदारी से कदम उठाएं। 'नमामि गंगे' और 'गंगा एक्शन प्लान' जैसी सरकारी योजनाओं को जन सहभागिता की आवश्यकता है।



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673



अब एलियन बनेंगे रणबीर कपूर !

'एनिमल' से रणबीर कपूर ने बॉक्स ऑफिस पर खूब भौकाल काटा है। अब उनकी अगली फिल्म का इंतजार किया जा रहा है, जो होगी 'लव एंड वॉर'। हालांकि, एक फिल्म की शूटिंग वो पहले ही कर चुके हैं, जो 'रामायण' पार्ट 1 है। उसके साथ ही बीते दिनों 'धूम 4' पर धांसू अपडेट आया था। इसी बीच एक गुड न्यूज मिल गई है।

रणबीर कपूर बॉक्स ऑफिस हिलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 'एनिमल' के बाद से ही वो अगली फिल्म की तैयारियां कर रहे हैं। यूं तो वो पहले ही नीतेश तिवारी की 'रामायण' पार्ट 1 का काम निपटा चुके हैं, जो दिवाली 2026 में आएगी। पर उससे पहले उनकी लव एंड वार रिलीज होगी। कुछ दिनों पहले ही उनकी 'धूम 4' पर धांसू अपडेट आया है। इसी बीच पता लगा कि एक और फिल्म में एंट्री हो रही है। रणबीर कपूर के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। वो पूरे फोकस के साथ अगली फिल्मों का काम कर रहे हैं। इन सभी फिल्मों के बाद उन्हें 'एनिमल पार्क' पर भी काम करना होगा। पर आमिर खान को ऑफर हुई फिल्मों के बीच रणबीर कपूर को कैसे और कौन सी फिल्म मिल सकती है। इस पर चर्चा चालू हो गई।

क्या रणबीर कपूर बनेंगे 'एलियन'?

जानकारी के अनुसार आमिर खान, राजकुमार हिरानी और अभिजीत जोशी के पास PK 2 को लेकर एक धांसू प्लॉट है। जिसके चलते फिल्म में रणबीर कपूर की एंट्री भी करवाई जा सकती है। दरअसल आमिर, अभिजीत और हिरानी इस आइडिया को लेकर काफी एक्साइटेड भी हैं। ऐसी चर्चा है कि वो दादा साहब फाल्के की बायोपिक के बाद इस पर फिर विचार करेंगे और काम भी शुरू कर सकते हैं।

मैं भी एक इंसान हूं...
रश्मिका मंदाना ने तोड़ी चुप्पी

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने करियर के 8 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस ने इंटरव्यू के दौरान अपने सफर के बारे में बातें की। उन्होंने इस दौरान बताया कि आखिर इन 8 सालों में एक्ट्रेस ने कितना ग्रो किया है और उन्होंने इस दौरान क्रिटिसिज्म को कैसे लिया है।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि पिछले 4 सालों में रश्मिका मंदाना नेशनल क्रश बन गई हैं। उन्होंने इस दौरान बहुत ज्यादा फिल्में तो नहीं की लेकिन कम फिल्मों में ही अपनी अपीयरेंस से ना सिर्फ फैंस का दिल जीता है बल्कि उन्होंने डायरेक्टर्स का भरोसा भी जीता है। रश्मिका मंदाना पहले साउथ फिल्मों का ही हिस्सा थीं लेकिन पुष्पा फिल्म के बाद से एक्ट्रेस की किस्मत ही पलट गई। आज उनके चाहनेवालों की कमी नहीं है। एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर के भी 8 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर और स्ट्रगल्स के बारे में बातें की हैं।

रश्मिका मंदाना ने हालिया इंटरव्यू के दौरान कहा कि- जैसा कि मैं अपने करियर के 9वें साल में एंट्री मार रही हूं मैं खुद को एक एक्ट्रेस और एक इंसान के तौर पर और विकसित करना चाहती हूं। मैं लगातार सीखते रहना चाहती हूं क्योंकि मुझे लंबा रास्ता तय करना है। अगर मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो पाती हूं कि मेरी जर्नी इतनी भी आसान नहीं रही है लेकिन इस दौरान मैंने बहुत कुछ हासिल किया है। मगर अभी भी मुझे बहुत कुछ हासिल करना है। मुझे भरोसा है कि मुझे करियर में आगे भी ग्रो करने के और अनुभव हासिल करने के अवसर मिलेंगे। मैं बस आगे चलते रहने को अग्रसर हूं बाकि देखते हैं कि मेरा ये सफर कहां तक जाता है।

क्रिटिसिज्म पर रश्मिका ने क्या कहा ?

रश्मिका मंदाना को उनके इन 8 साल के करियर के दौरान तारीफ तो खूब मिली है। साथ ही एक्ट्रेस को आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा है। एक्ट्रेस ने इसके जवाब में कहा- इन बीतें सालों में मुझे कॉन्स्ट्रक्टिव क्रिटिसिज्म और नॉइस के बारे में फर्क समझ में आ गया है। खासकर जब बात मेरे क्राफ्ट की होती है तब मैं इस बात का ज्यादा ध्यान रखती हूं। कई मौके ऐसे होते हैं जब मेरे बारे में कुछ ऐसा लिखा होता है जिसे पढ़कर मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता है।

विराट संग अफेयर के बाद हो गया था ब्रेकअप...शादी तक ऐसे पहुंची बात

RCB के IPL ट्रॉफी जीतते ही विराट कोहली मैदान पर ही रोने लगे। इस दौरान उन्हें अनुष्का शर्मा ने संभाला लेकिन उनसे लिपटकर भी विराट के आंसू नहीं थमे। दोनों की मजबूत बॉन्डिंग के पलों ने फैंस को भी भावुक कर दिया। दोनों दस साल से भी ज्यादा समय से इसी तरह से एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने क्रिकेट के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। दोनों के बीच बेशक पहली नजर का का प्यार नहीं था। लेकिन, जल्द ही दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए थे। अफेयर की खबरें लोगों तक भी पहुंचने लगीं। दोनों का रिश्ता अच्छा चल रहा था लेकिन फिर दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया और ब्रेकअप की खबरें भी आईं। हालांकि इसके बावजूद रिश्ता शादी के मंडप तक पहुंचा और आज दोनों की गिनती क्रिकेट-बॉलीवुड के सबसे मशहूर और पसंदीदा कपल में होती है।

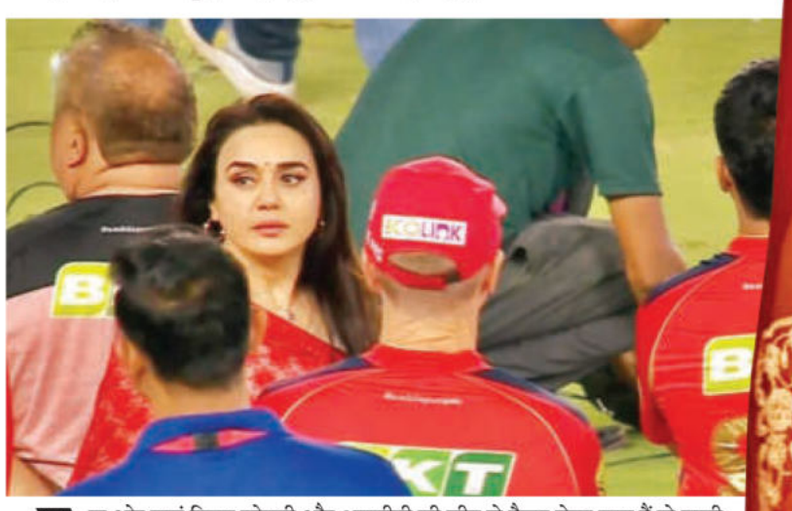
विराट कोहली और अनुष्का शर्मा पहली बार एक शैंपू के एड शूट के दौरान मिले थे। हालांकि दोनों में से किसी को भी एक दूसरे से पहली नजर में प्यार नहीं हुआ था। लेकिन, दोनों दोस्त बन गए थे। धीरे-धीरे वो चोरी छिपे मिलने लगे और साल 2014 में साउथ अफ्रीका के दौरे से लौटने के बाद विराट को अनुष्का के घर जाते हुए स्पॉट किया गया था। मुलाकातें बढ़ती गईं। कभी विराट एक्ट्रेस की फिल्म के सेट पर नजर आते तो कभी अनुष्का विराट को चीयर करने के लिए स्टेडियम पहुंचती थी। इस दौरान दोनों तरफ से फ्लाइंग किस का आदान-प्रदना भी खूब होता था।



विराट-अनुष्का का हो गया था ब्रेकअप!

विराट और अनुष्का ने अपने रिश्ते में कई बार उतार-चढ़ाव भी देखा। एक समय तो ऐसा भी आया जब विराट की खराब परफॉर्मेंस के लिए लोगों ने अनुष्का शर्मा को निशाना बनाया और उन्हें जमकर ट्रोल किया जाता था। वहीं साल 2016 में दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया था। इसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने तूल पकड़ा। हालांकि दोनों के बीच बाद में सुलह भी हो गई थी।

हार के बाद टूटीं प्रीति...लेकिन टीम को दी हिम्मत



एक ओर जहां विराट कोहली और आरसीबी की जीत से फैन्स बेहद खुश हैं तो दूसरी ओर पंजाब किंग्स की हार से भी उतने ही दुखी हैं। खासकर प्रीति जिंटा का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर फैन्स का दिल टूट गया है। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें उनके आंखों में आंसू दिखाई दिए। जिस पर लोग बोले- आप भी डिजर्व करती थीं।

प्रीति जिंटा चाहती थीं कि वो भी आईपीएल टॉफी उठाए, पर ऐसा हो नहीं पाया। अब सोशल मीडिया पर प्रीति जिंटा का एक वीडियो और कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। जिसमें वो हार के बाद अपनी टीम को हिम्मत देती नजर आ रही हैं। खिलाड़ियों के बीच में दिख रहीं एक्ट्रेस की आंखों में आंसू हैं, पर मुस्कुरा रही हैं।

प्रीति जिंटा ने शुरुआत से ही पंजाब किंग्स को सपोर्ट किया है। शादी के बाद विदेश जाकर बस गईं एक्ट्रेस हर सीजन में अपनी टीम के लिए लौटती हैं। प्रीति जिंटा आईपीएल ऑक्शन के दौरान भी मौजूद रहती हैं। एक्टिंग से दूर प्रीति जिंटा इस सीजन भी काफी एक्टिव रही हैं। अपनी टीम को सपोर्ट करने के साथ ही फैन्स के साथ भी जुड़ी रही हैं। हालांकि, एक्ट्रेस हार के बाद अपने आंसू नहीं छिपा पाई। उनका उतरा हुआ चेहरा देखकर फैन्स एक्ट्रेस को हिम्मत दे रहे हैं।

पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा आखिरी मैच में काफी एन्जॉय करती दिखी थीं। जब उनकी टीम मुंबई को हराकर फाइनल में पहुंची, तो एक्ट्रेस का जश्न मनाते वीडियो छा गया। लेकिन हार के बाद अब उनका वीडियो देख लोगों ने लिखा- एक्ट्रेस के लिए बुरा लग रहा है। हर साल टीम को सपोर्ट करने आती हैं, इस साल भी ट्रॉफी नहीं उठा पाईं। तो कुछ लिखते हैं- आपका दर्द समझ सकते हैं हम।

जल्द फिल्मों में करेंगी वापसी

दरअसल प्रीति जिंटा को लंबे वक्त से किसी भी फिल्म में नहीं देखा गया है। हालांकि, वो जल्द ही सनी देओल की लाहौर 1947 में नजर आने वाली हैं। इस साल आमिर खान की इस फिल्म को रिलीज किया जा सकता है। जिसका हर कोई इंतजार कर रहा है. वहीं ऋतिक रोशन की कृष 4 में भी एंट्री की खबरें हैं।

'पंचायत 4' OTT पर जल्द देगी दस्तक

पंचायत 4 का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो गया है। खुशखबरी हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म की मोस्ट पॉपुलर सीरीज पंचायत 4 के चौथे पार्ट की रिलीज डेट से पर्दा हट गया है। इसके तीनों पार्ट को बेहद शानदार रिस्पांस मिला था। 'पंचायत' वेब सीरीज के पिछले तीनों सीजन सुपरहिट रहे थे। प्यार, दोस्ती और राजनीति से भरी इस वेब सीरीज की कहानी ने सबको अपना दीवाना बना दिया था और अब फैंस चौथे सीजन का सभी इंतजार कर रहे हैं। इसी के साथ बता दें, पॉपुलर गांव ड्रामा के चौथे सीजन 2 का ट्रेलर तो अभी नहीं आया है लेकिन पिछले महीने रिलीज किए गए टीजर में ही इसकी स्ट्रीमिंग डेट बताई गई थी। इसके मुताबिक पंचायत 4 को 2 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। इसके सभी 8 एपिसोड प्राइम वीडियो पर ही प्रीमियर होंगे।

पंचायत के पहले तीनों सीजन थे सुपरहिट

'पंचायत सीजन 4' को 'द वायरल फीलर' यानी TVF ने बनाया है। और उसके पास ही इस सीरीज के राइट्स हैं। दीपक कुमार मिश्रा और अक्षय विजयवर्गीय इसके डायरेक्टर हैं तो चंदन कुमार राइटर और प्रोड्यूसर हैं। 'पंचायत 3' के आखिर में दिखाया गया था कि प्रधान जी को गोली मार दी गई है, वह घायल हो गए हैं, फुलेरा में चुनावी माहौल के बीच चारों तरफ टेंशन देखने को मिली थी। वहीं, अब आगे अभिषेक और रिंकी के रिश्ते पर फोकस किया जाएगा। आने वाले एपिसोड में दोनों का रिश्ता पक्का हो जाएगा। मगर इससे पहले इनके बारे में प्रधानजी और मंजू देवी का रिएक्शन देखने को मिलेगा, क्योंकि उन्हें तो अभी इस बात की भनक भी नहीं कि उनकी नाक के नीचे इतने समय से क्या कुछ हो रहा है। इसके अलावा, गांव में और भी बदलाव नजर आ सकते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

कलेक्टर ने मां बगलामुखी मंदिर परिसर में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया



नलखेड़ा। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बुधवार को मां बगलामुखी मंदिर परिसर का दौरा कर निर्माणाधीन पार्किंग स्थल सहित अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। सबसे पहले कलेक्टर ने मां बगलामुखी के दर्शन किए, इसके बाद श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बन रहे पार्किंग स्थल का अवलोकन कर निर्माण की प्रगति को देखा और तहसीलदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सुलभ कॉम्प्लेक्स, विश्रामगृह आदि सुविधाओं की स्थिति देखी और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने लखुंदर नदी ब्रिज से लेकर मंदिर तक लगभग 1200 मीटर लंबी सड़क और पास के नाले पर ब्रिज निर्माण के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु एसडीएम को निर्देशित किया। निरीक्षण के समय एसडीएम सुसनेर सर्वेश यादव, तहसीलदार गिरीश सूर्यवंशी, गोविंद सूर्यवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर झाबुआ पुलिस की अनोखी पहल



झाबुआ। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर झाबुआ पुलिस द्वारा मंगलवार को एक विशेष साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सुबह पुलिस लाइन झाबुआ से प्रारंभ होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर संपन्न हुई। रैली को ज़िला कलेक्टर नेहा मीना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे, एसडीओपी पेटलावद कमलेश शर्मा सहित अनेक पुलिस अधिकारी व कर्मचारी साइकिल चलाकर रैली में शामिल हुए। उन्होंने आमजन को पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के लिए जागरूक किया। रैली का उद्देश्य पारंपरिक एवं पर्यावरण-मित्र परिवहन साधन साइकिल के महत्व को पुनः रेखांकित करना था। प्रतिभागियों ने 'स्वस्थ जीवन, हरित जीवन' जैसे नारों के माध्यम से लोगों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में साइकिल का अधिक उपयोग करें, जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों का संरक्षण किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व साइकिल दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2018 में की गई थी, जिसकी पहल अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेस्जेक सिबिल्सकी द्वारा की गई थी।

अष्टापद तीर्थ की पुण्य यात्रा सम्पन्न, विश्व शांति की कामना के साथ पुष्प ग्रुप ने किया पूजन

देवास। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, पुष्प देवास की 50 सदस्यों के साथ आठ दिवसीय भगवान 1008 श्री आदिनाथ की मोक्ष स्थली श्री अष्टापद जी की यात्रा, यात्रा संयोजक पुष्प अध्यक्ष महेंद्र जैन एवं पुष्प सचिव मनीष जैन और यात्रा संघपति मनीष जी जैन पाणोत के नेतृत्व में निर्विघ्न संपन्न हुई। यात्रा की शुरूआत हरिद्वार से प्रारंभ होकर ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग, जोशीमठ होते हुए श्री अष्टापद जी पहुंची। श्री अष्टापद जी जैन मंदिर में सभी पुष्प सदस्यों ने विश्व में शांति स्थापित हो इसी मंगल भावना के साथ श्री शांति धारा, पूजन एवं विधान किया। तत्पश्चात बद्रीविशाल मंदिरजी में भी दर्शन किए। वापसी में सभी सदस्यों ने भारत का मिनी स्विट्जरलैंड ओली, पहाड़ों की रानी मसूरी एवं देहरादून घूमने का भी आनंद लिया। यात्रा मार्गदर्शन श्री कीर्ति जी पांड्या एवं संजय भाईजी रहे। यात्रा संरक्षक भामाशाह श्री निलेशजी जैन छाबड़ा रहे। इसके साथ ही पुष्प के धीरेंद्र जैन, सुनील जैन, दीपक जैन, राजेश जैन इटावा, रोहित जैन, वीरेंद्र जैन, सतीश जैन, अखिलेश जैन, राजेश जैन, सावन जैन, पारस जैन, देवेंद्र पाटौदी सहित सभी सदस्यों ने सह परिवार यात्रा का लाभ एवं आनंद लिया। आभार सचिव मनीष जैन द्वारा माना गया।

विज्ञान महाविद्यालय में विश्व तम्बाकू दिवस पर शपथ दिलाई

देवास। स्व. तुकोजीराव पवार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय देवास में 31 मई 2025 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु अनेक रचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. माधवी माथुर एवं प्रशासनिक अधिकारी प्रो. प्रमोद कुमार पलाश्या ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. अमित द्विवेदी द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

श्री वासुपूज्य स्वामी की प्रतिष्ठा उपलक्ष्य में जिनेंद्र भक्ति महोत्सव आज से

आचार्यश्री नयचंद्रसागर सुरीश्वरजी मसा के सान्निध्य में होगा महोत्सव

सिटी रिपोर्टर

देवास। देवनगरी देवास की पुण्यधरा पर पंचशील नगर स्थित चंपापुरी धाम में श्री वासुपूज्य स्वामीजी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवपूर्वक भव्य आयोजनों के साथ संपन्न होगी। इस अवसर पर पांच दिवसीय जिनेंद्र भक्ति महोत्सव का विशेष आयोजन होगा। 5 जून से 9 जून तक चलने वाले इस महोत्सव में अनेक धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, विविध पूजन, भक्ति भजन संध्या, प्राण प्रतिष्ठा एवं द्वार उद्घाटन आदि अनेक भव्य कार्यक्रम होंगे। मालव भूषण आचार्य श्री नवरत्नसागर सूरीश्वरजी के दिव्य आशीष के अंतर्गत आचार्य श्री हेमचंद्रसागर सूरीश्वरजी के शिष्य रत्न आचार्य श्री नयचंद्रसागर सुरीश्वरजी म.सा. एवं सैकड़ों साधु-साध्वीजी की पावन निश्रा में संपूर्ण जैन समाज द्वारा उल्लासपूर्वक यह महोत्सव मनाया जा रहा है। आयोजन का संपूर्ण लाभ बागमल अमरचंद मनीष कुमार जैन कायथावाला परिवार द्वारा लिया जा रहा है। पूज्य आचार्य श्री के साथ गणिवर्य श्री ऋषभचंद्र सागरजी एवं अजीतचंद्र सागरजी म.सा., डेहलावाला आचार्य श्री पीयूषभद्र विजयजी आदि विशाल श्रमणवृंद, पूज्य साध्वीजी दमिताश्रीजी, साध्वीजी अमितगुणा श्रीजी, साध्वीजी अमिपूर्णा श्रीजी, साध्वीजी शीलरेखा श्रीजी, मननकीर्ति श्रीजी, शुद्धिप्रसन्ना श्रीजी, निर्मलगुणा श्रीजी, हेमप्रज्ञा श्रीजी, शुचिप्रज्ञा श्रीजी, दिव्ययशा श्रीजी, डेहलावाला साध्वीजी श्री ज्योतिपूर्णा श्रीजी, कलापूर्ण सुरीश्वरजी समुदाय वर्तिनी साध्वीजी अक्षयनंदिता श्रीजी आदि अर्धशताधिक श्रमण श्रमणी वृंद के सान्निध्य में यह आयोजन होगा।



प्रतिदिन आचार्य श्री एवं साधु-साध्वीजी के प्रवचन होंगे। प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि 5 जून को सुबह 9.15 बजे प्रवचन एवं दोपहर श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजन का संगीतमय आयोजन श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में होगा। रात्रि को श्री आदेश्वर मंदिर बड़ा बाजार में माता-बहनों की सांझी एवं उत्सव रंग बाधावणा का आयोजन होगा। यहीं पर 6 जून को दोपहर श्री अष्टापद पूजन संपन्न होगी। रात्रि को ललित भाई धामी, अहमदाबाद द्वारा प्रभु भक्ति की प्रस्तुति दी जाएगी। 7 जून को सुबह 7.30 बजे पूज्य आचार्य श्री एवं साधु-साध्वीजी की भव्य नगर प्रवेश शोभा यात्रा मंडी धर्मशाला से निकाली जाएगी। तत्पश्चात आदेश्वर मंदिर में प्रवचन एवं कुंभ स्थापन, नवग्रह पाटला पूजन होगा। इसी दिन करुणा दिवस के निमित्त बड़ी संख्या में आयंबिल तपस्या का आयोजन अहिंसा भवन में सामूहिक रूप से होगा। रात्रि को सुप्रसिद्ध भजन गायक मनन संघवी की भजन संध्या चंपापुरी धाम पंचशील नगर पर आयोजित की जाएगी। 8 जून प्रतिष्ठा दिवस के दिन सुबह 7 बजे श्री आदेश्वर मंदिर बड़ा बाजार में नवकारशी के पश्चात प्रभुजी की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी, जो नगर भ्रमण करते हुए पंचशील नगर चंपापुरी धाम पहुंचेगी। यहां पर प्रभु वासुपूज्य स्वामीजी की प्राण प्रतिष्ठा का अति विशिष्ट भावपूर्ण अनुष्ठान संपन्न होगा। तत्पश्चात मांगलिक प्रवचन एवं सकल श्री संघ के स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। दोपहर में लघु शांति स्नात्र महापूजन किया जाएगा। 9 जून को सुबह द्वार उद्घाटन एवं सत्तर भेदी पूजन के साथ महोत्सव की पूर्णाहुति होगी। समग्र जैन समाज देवास की सभी धार्मिक संस्थाओं के ट्रस्ट मंडल एवं पदाधिकारियों ने महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

रतलाम पुलिस ने दो दिन में किया चैन स्नेचिंग का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

लालबाग कॉलोनी में हुई थी वारदात, आरोपियों से सोने का पेंडल और बाइक जब्त

सिटी रिपोर्टर

रतलाम। थाना औद्योगिक क्षेत्र रतलाम पुलिस ने लालबाग कालोनी में हुई चैन स्नेचिंग की घटना का दो दिन के भीतर सफल खुलासा किया है। घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने का पेंडल एवं मोटर साइकिल जप्त की गई है। घटना का संक्षिप्त विवरण यह है कि दिनांक 31 मई को गीताबाई पत्नी शम्भुलाल सीनमजी (75 वर्ष) अष्ट विनायक कालोनी निवासी अपने घर से टहलने लालबाग गेट के पास बगीचे की ओर गई थीं। वहां मोटरसाइकिल पर बैठे दो व्यक्तियों में से एक ने उनसे रास्ता पूछने का बहाना कर उनके गले से सोने का मंगलसूत्र झपट लिया और दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। इस संबंध में फरियादी ने थाना औद्योगिक क्षेत्र में अपराध क्रमांक 421/2025 धारा 304(2) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, नगर पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र घनघोरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने लालबाग कालोनी व आसपास के लगभग 50 सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा विश्वसनीय मुखबीर की सूचना पर संदिग्ध चन्दन बोरासी व चन्द्रशेखर पाटीदार को खदान के पास बंजली बायपास से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का मंगलसूत्र व घटना में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी43एमएफ8041 जब्त की गई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम, उपनिरीक्षक ध्यान सिंह सोलंकी, सहायक निरीक्षक प्रदीप शर्मा, आरक्षक अभिषेक पाठक, रवि चंदेल, कपील लोहार, दुगार्लाल गुजराती, बबलू मालवीय, बलवीर सिंह, इमरान खान व अर्जुन खिंची की सराहनीय भूमिका रही है।

इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

चन्दन पिता जगदीश बोरासी (35) निवासी नयागांव टेंकर रोड रतलाम
चन्द्रशेखर पिता राकेश पाटीदार (35) निवासी नयागांव टेंकर रोड रतलाम।
चन्दन बोरासी के विरुद्ध कई मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं, जिनमें दुष्कर्म, मारपीट, धमकी आदि शामिल हैं।

आलोट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 52 किलो डोडाचुरा बरामद

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा और एसडीओपी शाबेरा अंसारी के मार्गदर्शन में थाना आलोट पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 52 किलो 400 ग्राम अवैध डोडाचुरा जब्त किया है। घटना 2 जून को रेलवे स्टेशन आलोट के प्लेटफार्म नंबर 2 की ओर स्थित जंगल क्षेत्र में हुई, जहां से आरोपी कालूसिंह गुर्जर (निवासी अलीगढ़) और अनिल विश्नोई (निवासी हनुमान सागर टापू, जोधपुर) को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दो काले प्लास्टिक के कट्टों में रखा गया डोडाचुरा (कुल वजन 52.400 किलो, अनुमानित कीमत 1,04,000 रुपए) बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल तथा रस्सी भी जब्त की गई। आरोपियों के खिलाफ थाना आलोट में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत अपराध क्रमांक 385/2025 दर्ज कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है, जिससे उनसे मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त संबंधी पूछताछ की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक शंकर सिंह चौहान, सउनि मोहन भाटी, सउनि अशोक चौहान, आरक्षक सुनील चुनारा, लोकेन्द्र शर्मा, दीपक पाटीदार, बाबूलाल मालवीय, रोनक पोरवाल, शुभम भाटी, कमल सिंह और साइबर सेल टीम की सराहनीय भूमिका रही।

स्टेशन रोड पुलिस ने 4 किलो गांजा बरामद किया, दो आरोपी गिरफ्तार

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना स्टेशन रोड पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 4 किलो अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 40,000 रुपए बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा और नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक स्वराज डाबी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने प्रतापनगर बायपास स्थित भक्तन की बावड़ी रोड पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए हीरो ल्क्रडिलक्स बाइक (एमपी43 डीपी 7952) से दो युवकों को अवैध गांजा का परिवहन करते हुए पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में इम्तियाज खान (38), निवासी माधवगंज मोहल्ला, नीमच सिटी और रविंद्र पड़ियार (28), निवासी नामली, जिला रतलाम शामिल हैं। दोनों के पास से 4 किलो गांजा तथा उक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई है। आरोपियों के खिलाफ थाना स्टेशन रोड पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है तथा गांजा की आपूर्ति व स्त्रोत संबंधी पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक स्वराज डाबी, उप निरीक्षक कन्हैया अवस्या, प्रधान आरक्षक हेमंत परमार, आरक्षक धीरज सिंह व अनिल सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही।

असम रायफल्स के जवान छोगमल रुहेला का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

राजगढ़। जिले के चाठा गांव के असम रायफल्स के वीर जवान छोगमल रुहेला का बुधवार को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। 1 जून को पेट दर्द की अचानक शिकायत के बाद उनका निधन हो गया था। उनका निधन पूरे क्षेत्र में गहरा शोक और संवेदना की लहर दौड़ा दी। मंगलवार की रात उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव चाठा लाया गया, जहां बुधवार दोपहर 1 बजे उन्हें पंचतत्व में विलीन किया गया। पचोर के महारानी बाग से शुरू हुई अंतिम यात्रा लगभग



14 किलोमीटर लंबी थी, जो बोड़ा होते हुए चाठा जागीर गांव तक गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने अपने अंतिम सम्मान में भाग लिया। अंतिम यात्रा के प्रमुख चौराहों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार से पहले सेना के जवानों ने छोगमल रुहेला को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जिससे उनके बलिदान और सम्मान की भावना प्रकट हुई। नरसिंहगढ़ क्षेत्रीय विधायक मोहन शर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की, जबकि उनके बड़े बेटे हर्षित रुहेला ने मुखाग्नि दी।

अपनी आत्मा को परमात्मा से जोड़ना ही प्रभु की असली चाकरी है

छोटी पाती में जैन साध्वी ने प्रवचन में कहा



देवास। नगर के पंचशील नगर स्थित श्री नव-पुण्य नव निर्मित गृह जिनालय चंपापुरी धाम में वासुपूज्यस्वामी भगवान की प्रतिष्ठा महोत्सव निमित्त पधारे साध्वी भगवंतों - शीलरेखाश्रीजी म सा, अमीपूर्णा श्रीजी म सा, सौम्यवदना श्रीजी मसा, शुचिप्रज्ञाश्रीजी म सा आदि विशाल साध्वी वृंद द्वारा छोटी पाती में श्री चंद्रप्रभु स्वामी मणिभद्र वीर मंदिर सुतार बाखल एवं श्री चंद्रप्रभु स्वामी मंदिर एमजी रोड श्री संघ के संयुक्त तत्वावधान में सरदार पटेल मार्ग स्थित मोड़ पंच धर्मशाला में श्चंद्रप्रभु स्वामी की चाकरी नित्य करिएश्र विषय पर भाव-प्रवाहित, ज्ञानवर्धक एवं आत्मसात करने योग्य प्रवचन दिए गए। प्रवचन की शुरूआत महामंगलकारी नवकार मंत्र से हुई, जिसके बाद कहा गया कि प्रभु से जुड़ने के तीन सिद्धांत होते हैं झ दर्शन, वंदन और पूजा। प्रभु के दर्शन से दरिद्रता का नाश होता है, वंदन से पुण्य बढ़ता है और पूजा से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। सुबह उठकर सबसे पहले हाथ में बसे चंद्र का दर्शन करना चाहिए, जिससे आत्मा परमात्मा बन जाती है। वंदन और पूजा के लिए भगवान के स्थान तक जाना आवश्यक है। लक्ष्मी की तीन गति झ दान, गति और नाश होती है।

साध्वीजी ने बताया कि व्यक्ति का ईश्वर से सबसे गहरा जुड़ाव तब होता है जब वह जीवन के अंतिम समय में होता है। प्रवचन में ऐतिहासिक प्रमाणों से यह तथ्य समझाया गया। एक अन्य साध्वीजी ने कहा कि प्रभु की चाकरी करना ही सच्ची सेवा है। आज के समय में नौकरी करने वालों की चाह अधिक है, लेकिन अगर चाकरी चाहिए तो प्रभु की सेवा करनी चाहिए क्योंकि वही सच्ची सेवा है। प्रवचन में कहा गया कि लोग घर, संपत्ति और बच्चों को 'मेरा' कहते हैं लेकिन प्रभु को कोई 'मेरा' नहीं कहता। परिवार के मनोरंजन में लोग हजारों खर्च करते हैं, पर मंदिर में दो रुपए भी ज्यादा लगते हैं। साध्वीजी ने कहा कि हर घर में एक ऐसा कमरा होना चाहिए, जहां आत्मा का निरीक्षण कर उसे परमात्मा से जोड़ा जा सके। प्रवचन में बताया गया कि 24 तीर्थंकरों में से 8वें तीर्थंकर चंद्रप्रभु स्वामी ऐसे भगवान हैं जो शीतलता प्रदान करते हैं और जिनके दर्शन, वंदन, पूजन से मंगलकारी प्रभाव मिलता है।

क्षत्रिय मराठा पब्लिक ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा में आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया



देवास। क्षत्रिय मराठा पब्लिक ट्रस्ट देवास की वार्षिक साधारण सभा सादगीपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। समाज के समन्वयक अध्यक्ष उमेश निम्बालकर ने बताया कि समाज भवन लक्ष्मीपुरा में आयोजित वार्षिक साधारण सभा का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ प्रकाश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। ट्रस्टी कार्यकारिणी अध्यक्ष सुभाष शिंदे ने वार्षिक व्यय का लेखा-जोखा समाजजनों के सामने प्रस्तुत किया। सभा में समाजजनों ने अपने-अपने विचार साझा कर सुझाव भी दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन साधारण सभा में उपस्थित हुए। आभार नरेंद्र पिसाल ने माना। संचालन श्याम पाटील ने किया।

सिंगल यूज प्लास्टिक बंद कर कपड़े की थैली का करें उपयोग

जागरूकता कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की महत्वपूर्ण हिदायत

सिटी रिपोर्टर

देपालपुर। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति हेतु तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर एवं वैश्य समाज द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष और जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि प्रदूषण रोकना हर व्यक्ति का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। उन्होंने विशेष रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को तत्काल बंद करने और इसके स्थान पर कपड़े की थैली के उपयोग की अपील की। जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला



खान ने बताया कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए घातक है क्योंकि इससे माइक्रोप्लास्टिक हमारे शरीर में पहुंचता है, जो गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि बाजार जाते समय प्लास्टिक थैली के बजाय अपने साथ कपड़े की थैली लेकर जाएं। यह आदत धीरे-धीरे प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने में मदद करेगी। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री रमेश गुप्ता ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक अत्यंत खतरनाक है और इसका उपयोग तुरंत बंद करना चाहिए। ग्रामीण जिला अध्यक्ष दिनेश गर्ग ने पर्यावरण संरक्षण में ईमानदारी से भूमिका निभाने और प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने के लिए प्रेरित करने हेतु निशुल्क कपड़े की झोलियां भी वितरित की गईं। इसके अलावा, वैश्य महासम्मेलन द्वारा 20 मार्च से शुरू की गई निशुल्क आरो जल वितरण सेवा, जिसे जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ समापन किया। जल वितरण के अंतिम दिन लोगों को ठंडा जल और मीठा शरबत भी निशुल्क पिलाया गया। इस सेवा के संचालन में योगदान देने वाले सुनील मेडिकल ग्रुप को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला प्रभारी युवा मनोज अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर न्यायालय के नायब नजीर दिलीप यादव, वैश्य समाज के ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष पवन विजयवर्गी, वरिष्ठ समाजसेवी मनी मंडोवरा सहित अनेक समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोक पत्रिका
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

पॉलिटिकल बवंडर: राहुल गांधी के भोपाल में 'नरेंदर सरेंडर'बयान पर भाजपा का दिल्ली से लेकर मप्र तक तीखा पलटवार

सीएम मोहन यादव बोले- राहुल की भाषा देश बर्दाश्त नहीं करेगा

सिटी रिपोर्टर

भोपाल। राजधानी भोपाल के दौरे पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर अब भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। दरअसल राहुल गांधी ने भोपाल में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नरेंदर सरेंडर' कहकर संबोधित किया था, जिस पर भाजपा हमलावर हो गई है। राहुल ने भोपाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर प्रधानमंत्री मोदी झुक गए। उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पर थोड़ा दबाव डालो तो ये डरकर भाग जाते हैं। ट्रंप ने एक इशारा किया और नरेंद्र मोदी ने झुककर बात मान ली।

इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। नेता प्रतिपक्ष राहु गांधी मर्यादा छोड़कर जिस तरह से बात कर रहे हैं वो संस्कारों के खिलाफ है। उन्होंने भोपाल में दादी इंदिरा गांधी को जूते पहनकर और फूल फेंककर पुष्पांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के संबंध में जो बयान दिया, उससे उनका हल्कापन सामने आता है। सीएम मोहन यादव ने इस घटना की कटु शब्दों में निंदा की। सीएम यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस के सांसद विदेश में बात कर रहे हैं और राहुल गांधी नादान तरीके से बात कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष की एक गरिमा होती है। राहुल गांधी ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा। इन्हीं सब कारणों की वजह से राहुल गांधी को पप्पू कहा जाता है। ऐसे बयान पर उनके साथ वाले ताली बजा रहे हैं। मध्यप्रदेश के लोग इसे सहन नहीं करेंगे। इस पूरी घटना की कांग्रेस को कीमत चुकानी होगी। दरअसल, मंगलवार को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम में राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर बड़ा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि इन पर जरा सा दबाव पड़ता है और ये पीछे हट जाते हैं। उधर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इशारा किया और इन्होंने जी हुजूर करके सीजफायर कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि इतिहास गवाह है, यही आरएसएस-बीजेपी का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। उन्होंने कहा कि 1971 की लड़ाई में इंदिरा गांधी को जो करना था वो उन्होंने किया। कांग्रेस पार्टी सरेंडर नहीं होती है। गांधी जी, जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल सरेंडर करने वाले लोग नहीं थे। ये सुपर पॉवर से लड़ने वाले लोग थे।



अपनी बुद्धि का सृजन करें राहुल

सीएम मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी संगठन सृजन से पहले अपनी बुद्धि का सृजन करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में दिए गए उनके बयान के लिए माफी मांगें। मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने और संगठन सृजन के लिए राहुल गांधी आए थे, लेकिन उन्होंने अपने और अपनी पार्टी के संस्कारों का अमर्यादित परिचय दिया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि बड़े दुर्भाग्य की बात है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मर्यादा छोड़कर जिस भाव से बोलते हैं, वह न केवल उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि देश की संस्कृति के विरुद्ध है। मैं कठोर शब्दों में इसकी निंदा करता हूं। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने जो प्रगति देखी है और सेना ने जिस तरह पाकिस्तान को जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया मानती है, लेकिन राहुल गांधी नादानी भरे बयान देकर नेता प्रतिपक्ष के गरिमापूर्ण पद की मर्यादा को ताक पर रख रहे हैं।

राहुल गांधी कब होंगे परिपक्व

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस को कहां ले जाएंगे, उनका व्यवहार यह बताता है कि वे कब परिपक्व होंगे। उनके साथी ताली बजाते हैं, जो बड़ा दुर्भाग्य है। यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है, लेकिन मैं एक बार फिर राहुल गांधी के प्रधानमंत्री के बारे में दिए गए बयान की कठोर शब्दों में निंदा करता हूं। कांग्रेस संगठन और राहुल गांधी को इस मामले में तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

नड्डा बोले- कांग्रेस के डीएनए में आत्मसमर्पण



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा, आपके नेताओं ने आत्मसमर्पण किया होगा क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है, लेकिन भारत कभी आत्मसमर्पण नहीं करता। आत्मसमर्पण आपकी कांग्रेस पार्टी के शब्दकोष में है, आपके डीएनए में है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, आपको अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह आपने इतिहास में आत्मसमर्पण किया। भाजपा प्रमुख ने कहा कि आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पीर दर्रा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने आत्मसमर्पण किया। नड्डा ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुस कर उसके 11 एयरबेस को तबाह किया, 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया, 150 से ज्यादा आतंकी मारे। पाकिस्तान तो रोते-रोते दुनिया को बता रहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 18 जगह हमला करके सब कुछ तबाह कर दिया और राहुल गांधी देश के आत्मसमर्पण की बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा सरकार ने या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं की थी, बल्कि भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने की थी। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वीरता, शौर्य एवं पराक्रम का उद्घोष है। वास्तव में जिनकी नीतियां आत्मसमर्पण की रही हो, उसे इसके आगे कुछ सूझ भी नहीं सकता - क्यों, ऐसा ही है न राहुल गांधी जी?

वीडी शर्मा बोले- राहुल गांधी चीन के एजेंट और पाक के प्रवक्ता



राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी सांसद और मध्यप्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री के बारे में इस तरह मजाक उड़ाना बहुत दुर्भाग्यजनक है। मैं इसकी कड़ी आलोचना करता हूं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चीन के एजेंट और पाकिस्तान के प्रवक्ता की भूमिका निभा रहे हैं। राहुल गांधी से मैं पूछना चाहता हूं 1971 में हमारी सेना के पराक्रम के बाद भी बंदियों को किसने छोड़ा था? नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पाकिस्तान खौफ में है। आपको इस तरह की भाषा बोलने पर शर्म आनी चाहिए। देश यह देख रहा है और देश इसका जवाब देगा।

राहुल गांधी की खतरनाक मानसिकता



भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनके बयान देश के स्वाभिमान और सेना के शौर्य के खिलाफ हैं। त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि हिंदी में कहावत है कि 'नया मुल्ला ज्यादा प्याज खाता है', लेकिन यहां तो 'गैर मुल्ला' इतनी प्याज खा रहा है कि उसे यह तक महसूस नहीं हो रहा कि वह देश की सेना और स्वाभिमान का कितना बड़ा अपमान कर रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान किसी राजनीतिक आलोचना की सीमा को पार कर पाकिस्तान के नैरेटिव से भी आगे निकल गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने जो कहा, वैसा तो पाकिस्तान का कोई जनरल, आतंकवादी या यहां तक कि हाफिज सईद और मसूद अजहर तक नहीं बोले। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान की संसद, मीडिया और सेना के नैरेटिव को न सिर्फ ताकत दे रहे हैं, बल्कि क्या अब वह इन ताकतों के नेता बनने की तैयारी कर रहे हैं? त्रिवेदी ने यह भी कहा कि राहुल गांधी, सेना के ऑपरेशन सिंदूर जैसी उपलब्धि की तुलना आत्मसमर्पण से करके यह दिखा रहे हैं कि उन्हें देश की सुरक्षा और सशस्त्र बलों की भावना का कोई सम्मान नहीं है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, लेकिन उनमें परिपक्वता और गंभीरता की भारी कमी है। यह बयान न केवल शर्मनाक है, बल्कि खतरनाक मानसिकता को उजागर करता है।

उमा बोलीं- राहुल को सरेंडर और सीजफायर का भी फर्क नहीं पता



पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सरेंडर और सीजफायर के बीच का फर्क तक नहीं मालूम। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उमा भारती ने लिखा कि आज तक भारतीय सेना ने कभी पाकिस्तान के सामने समर्पण नहीं किया है और राहुल गांधी को इतनी भी अंग्रेजी नहीं आती कि वे दोनों शब्दों का अंतर समझ सकें।

संबित पात्रा बोले- पेड एजेंट हैं राहुल गांधी



राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गांधी पर भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करने और एक सफल सैन्य अभियान को कमजोर करने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा, राहुल गांधी जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिस तरह के सवाल राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं, मुझे पूरा संदेह है कि वह चीन या पाकिस्तान के पेड एजेंट हैं।

बिजली सब स्टेशन में गंदगी देखकर ऊर्जा मंत्री हुए नाराज

जूनियर इंजीनियर का इंक्रीमेंट रोका

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को कोटरा सुल्तानाबाद, नेहरू नगर एवं 33/11 केवी विद्युत उप केंद्र भदभदा का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री लोगों के घर और दुकान पर पहुंचे और पूछा कि बिजली आपूर्ति से कितने संतुष्ट हैं, कितने नहीं। वे सब स्टेशन पर गंदगी देखकर नाराज हुए और सफाई में लापरवाही के लिए जूनियर इंजीनियर का इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए। वहीं सब स्टेशन की टूटी छत सिविल डिपार्टमेंट से ठीक कराने को कहा। औचक निरीक्षण पर निकले मंत्री अचानक एक उपभोक्ता के घर पहुंच गए। उनसे कहा कि नमस्कार, मैं मध्य प्रदेश का ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, आपके घर में बिजली रहती है या नहीं रहती, बिजली सप्लाई से संतुष्ट हैं या किसी तरह की दिक्कत है। जवाब मिला-बिजली पर्याप्त मिल रही है और कभी कभार एक-दो मिनट के लिए जाती है या फिर जब कोई फाल्ट होता है तो गुल होती है। मंत्री ने पूछा आप संतुष्ट हैं, तो जवाब मिला हां। मंत्री ने विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने इस निरीक्षण को विद्युत सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, जनहित की आवश्यकताओं की पूर्ति और कर्मचारियों के हितों की रक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। ऊर्जा मंत्री ने निरीक्षण के दौरान बिजली की ट्रिपिंग, अनियमित विद्युत आपूर्ति और रखरखाव से जुड़ी दिक्कतों की जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित इंजीनियरों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी या लापरवाही को तत्काल दूर किया जाए। ऊर्जा मंत्री तोमर ने भदभदा विद्युत वितरण केन्द्र के निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कनिष्ठ अभियंता की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक को सुचारू, सुरक्षित और सुलभ विद्युत सेवा उपलब्ध कराना है। इसके लिए कार्यकुशलता एवं त्वरित कार्रवाई पर फोकस किया जाएगा। सब स्टेशन के निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने सब स्टेशन में घास और अन्य गंदगी हटाने को कहा। उन्होंने उपकेन्द्र परिसरों में स्वच्छता, तकनीकी उपकरणों की स्थिति एवं उनकी कार्यक्षमता को लेकर भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उप केन्द्रों की नियमित सफाई, तकनीकी संसाधनों का समय पर रखरखाव तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करना निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मूलभूत शर्तें है।

राजीनामा नहीं करने से नाराज बदमाश ने की फायरिंग, मची भगदड़

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर इलाके में मंगलवार रात करीब 12 बजे आधा दर्जन बदमाशों ने एक ड्राइवर को घेर लिया। आरोपियों ने उस पर एक पुराने केस में समझौता करने का दबाव बनाया। फरियादी ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। तब बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और दो राउंड फायर कर दिए। एक भी गोली पीड़ित को नहीं लगी है। पुलिस ने स्पॉट से कारतूस का खाली खोखा बरामद किया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। एएसआई जसराम सिंह यादव के मुताबिक प्रियदर्शनी नगर में रहने वाले 21 वर्षीय लोकेश अहिरवार ट्रैवल्स एजेंसी में ड्राइवरी करते हैं। मंगलवार की रात 11. 54 बजे वह अपने घर के पास गली में खड़ा हुआ था। तभी आरोपी तिलक कामले, प्रिंस, पूरब विश्वास, स्माइली उर्फ तनिष्क, प्रियांश, निहाल और अन्य वहां आ गए। दोनों पक्षों के बीच करीब एक साल पहले विवाद हुआ था। उस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इस मामले में समझौता करने के लिए बदमाश उस पर दबाव बना रहे थे। आरोपियों ने समझौते की बात से इनकार सुनते ही फरियादी को जमकर पीटा। आरोपियों ने डराने के लिए उस पर कट्टे से दो राउंड फायर कर दिए। एक गोली दीवार में जा लगी। इसके बाद आरोपी धमकाते हुए मौके से फरार हो गए। गोली चलने की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए घेराबंदी भी की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका।

पतंजलि के साथ मिलकर एम्स भोपाल में बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन

भोपाल। राजधानी भोपाल के एम्स अस्पताल में सिर्फ एलोपैथी का इलाज ही नहीं, बल्कि पुरानी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का खजाना भी मिलेगा। एम्स भोपाल और बाबा रामदेव की पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन मिलकर प्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन बनाने जा रहे हैं। यह सिर्फ पेड़-पौधे लगाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह इलाज के नए और सस्ते तरीके ढूंढने में भी मदद करेगा। एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने बताया कि यह हर्बल गार्डन कोई साधारण बगीचा नहीं होगा। इसमें सिर्फ मध्यप्रदेश के ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों और पूरे देश में मिलने वाले उन खास औषधीय पौधों को लगाया जाएगा जो शायद आपने पहले कभी न देखे हों। एम्स का मानना है कि इन पौधों में कई बीमारियों को ठीक करने की ताकत है, जिनके बारे में हम भूलते जा रहे हैं। डॉ. सिंह के अनुसार प्रदेश में कई ऐसे इलाके हैं जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय रहते हैं। ये समुदाय सदियों से जंगलों और प्रकृति के करीब रहे हैं। इन समुदायों के पास पेड़-पौधों, जड़ों, पत्तियों और छालों से बीमारियों का इलाज करने का बहुत पुराना और गहरा ज्ञान होता है। यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से चलता रहता है। इसे समृद्ध इसलिए कहा गया है क्योंकि इस ज्ञान में कई ऐसी जड़ी-बूटियां और उनके इस्तेमाल के तरीके शामिल हैं जिनके बारे में आधुनिक विज्ञान अभी भी पूरी तरह नहीं जानता। एम्स और पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की टीमें ऐसे ट्राइबल वैद्य, हकीम या बुजुर्गों से मिलेंगे, जो इस पारंपरिक ज्ञान को जानते हैं।

पब्लिक प्लेस पर हवाई फायर करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी भोपाल की अयोध्या नगर पुलिस ने रौब झाड़ने के लिए हवाई फायर करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक रायफल और वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। जब्त माल की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। टीआई महेश लिल्लारे ने बताया कि 2 मई 2025 की दरमियानी रात इलाके में तीन युवकों ने रायफल से फायर किए थे। पब्लिक प्लेस में फायरिंग के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना की जानकारी पुलिस को सोशल मीडिया से मिली। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया था। एफआईआर के बाद पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज को ट्रेस करते हुए घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर की स्कॉर्पियो तथा उसमें सवार बदमाशों को चिह्नित कर उन पर कार्यवाही करते हुए घटना में प्रयुक्त ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो, राइफल और कारतूस जब्त किए गए।

पब्लिक प्लेस पर फायरिंग करने वाले आरोपियों में से एक अंशु सिंह गुर्जर (20) निवासी रतन कालोनी जेल रोड बीएससी ग्रेजुएट है।

प्रमुख सचिव, खनिज उमाकांत उमराव ने दिए निर्देश

सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली तुरंत लागू करें कलेक्टर



भोपाल। मध्यप्रदेश में अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की है, जिसके तहत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है। प्रमुख सचिव, खनिज उमाकांत उमराव ने सभी जिला कलेक्टरों को इस प्रणाली को तत्परता से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

सैटेलाइट से नजर रखने के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया है और अवैध उत्खनन पाए जाने पर परिवहन एवं भंडारण नियम के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को अलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रत्येक माह पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी और खनिज अधिकारी मोबाइल एप के माध्यम से फील्ड वेरिफिकेशन करेंगे। मध्यप्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए प्रशासन अब तकनीक का उपयोग कर रहा है।

इसके क्रियान्वयन को लेकर प्रमुख सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वीसी के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव, खनिज उमाकांत उमराव की ओर से सभी जिला कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टरों को सैटेलाइट आधारित खनन निगरानी प्रणाली का जिले में तत्परता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। साथ ही अवैध उत्खनन पाए जाने पर परिवहन एवं भंडारण नियम के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए हैं।

अवैध उत्खनन पर जारी करेगा अलर्ट

बता दें कि इस पोर्टल से सैटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर अलर्ट जारी किया जाएगा। जिसे पोर्टल पर जिला कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी द्वारा लॉग-इन कर देखा जा सकेगा। जिला कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को अलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रत्येक माह पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी। जिले के अंतर्गत जारी किए गए अलर्ट मैप पर चिह्नित रहेंगे, जिनका अन्य स्थापित खदानों, जियोलॉजिकल लेयर एवं खसरेकी जानकारी के आधार पर परीक्षण किया जा सकेगा।

मोबाइल एप से वैरीफाई होगा अलर्ट

जारी किए गए अलर्ट को खनिज अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन कर मोबाइल एप के माध्यम से वेरीफाई किया जाएगा। फील्ड वेरिफिकेशन के बाद अवैध उत्खनन पाए जाने पर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण नियम-2022 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। पोर्टल के संबंध में वीसी के माध्यम से समस्त जिला कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

Printer, Publisher & Owner : Avesh K. Malaviya, **Printed at** Bhoomi Offset, Bhatiyavadi, Opp. Railway Station, Kalupur, Ahmedabad 380002 and **Published From** G-1301, Sardar Patel Nagar, Shastrinagar Char Rasta, Near Anmol Tower, Naranpura, Ahmedabad-380013. **Mob.** 98252 52125 **Email :** lokpatrikadaily@gmail.com **Website :** www.lokpatrika.in **Editor :** Avesh K. Malaviya